संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -131 मंगलवार, 12 मार्च 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

मोदी सरकार ने लागू किया नागरिकता संशोधन कानून

गैर मुस्लिम पाक,बांग्ला और अफगान शरणार्थियों को नागरिकता मिलेगी

नई दिल्ली,11 मार्च 2024(ए)। केंद्र सरकार ने सिटीजनशिप अमेंडमेंट एक्ट यानी सीएए का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इसके साथ ही यह कानून देशभर में लागू हो गया है। सीएए को हिंदी में नागरिकता संशोधन कानून कहा जाता है। इससे पाकिस्तान, बांग्लादेश अफगानिस्तान से आए गैर- मुस्लिम शरणार्थियों को नागरिकता मिलने का रास्ता साफ हो गया है।

नागरिकता संशोधन कानून की 3 बड़ी बातें...

किसे मिलेगी नागरिकता

31 दिसंबर 2014 से पहले पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश से धार्मिक आधार पर प्रताड़ित होकर भारत आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के लोगों को नागरिकता दी जाएगी। इन तीन देशों के लोग ही नागरिकता के लिए आवेदन कर सकेंगे।

भारतीय नागरिकों पर क्या असरः

भारतीय नागरिकों से सीएए का कोई सरोकार नहीं है। संविधान के तहत भारतीयों को नागरिकता का अधिकार है। सीएए या कोई कानून इसे नहीं छीन सकता।

आवेदन कैसे कर सकेंगे

आवेदन ऑनलाइन करना होगा। आवेदक को बताना होगा कि वे भारत कब आए। पासपोर्ट या अन्य यात्रा दस्तावेज न होने पर भी

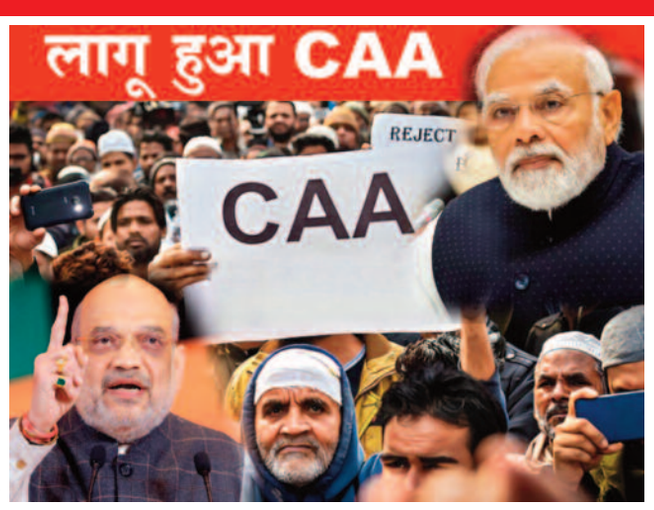

आवेदन कर पाएंगे। इसके तहत भारत में रहने की अवधि 5 साल से अधिक रखी गई है। बाकी विदेशियों (मुस्लिम) के लिए यह अवधि 11 साल से अधिक है।

कयास थे कि पीएम मोदी सीएए की अधिसूचना का ऐलान करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। नोटिफिकेशन से पहले पीएम ने सोशल मीडिया एक्स पर अग्नि-5 मिसाइल के सफल परीक्षण पर डीआरडीओ के वैज्ञानिकों को बधाई दी।

सीएए को लेकर सरकार की तैयारी

सीएए के ऑनलाइन पोर्टल को रजिस्ट्रेशन के लिए तैयार कर लिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इसका ड्राई रन भी कर लिया है। सूत्रों ने कहा कि सीएए इन पड़ोसी देशों के उन शरणार्थियों की मदद करेगा जिनके पास दस्तावेज नहीं हैं। मंत्रालय को लंबी अवधि के वीजा के लिए सबसे ज्यादा आवेदन पाकिस्तान से मिले हैं।गृह मंत्री अमित शाह दो महीने में दो बार कह चुके थे कि सीएए लोकसभा चुनाव से पहले लागू किया जाएगा। यह देश का कानून है। इसे कोई रोक नहीं सकता। संसद ने सीएए पर 11 दिसंबर 2019 को मुहर लगाई थी। हालांकि, सरकार इस कानून को लागू करने के लिए नियम-कायदे बनाने की समय सीमा 8 बार बढ़ा चुकी है।सीएए के नोटिफिकेशन के बाद उत्तर प्रदेश और दिल्ली में पुलिस अलर्ट पर है। प्रशांत कुमार ने सभी जिलों की पुलिस को सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। पुराने लखनऊ के संवेदनशील इलाकों में पुलिस पैदल गश्त कर रही है। सीनियर अफसर भारी पुलिस फोर्स के साथ सड़कों पर उतरे हैं। पुराने लखनऊ में मार्च निकाला जाएगा। सभी थाना लेवल पर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश पुलिस कमिश्नर ने दिया है।

जयराम रमेश बोले- प्रधानमंत्री के सफेद झूठ की एक और झलक

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, दिसंबर 2019 में संसद द्वारा पारित नागरिकता संशोधन अधिनियम के नियमों को अधिसूचित करने में मोदी सरकार को चार साल और तीन महीने लग गए। प्रधानमंत्री दावा करते हैं कि उनकी सरकार बिल्कुल प्रोफेशनल ढंग से और समयबद्ध तरीके से काम करती है। सीएए के नियमों को अधिसूचित करने में लिया गया इतना समय प्रधानमंत्री के सफेद झूठ की एक और झलक है।

अर्जुन मुंडा ने कहा...जो भी देश हित में हो,वो किया जाना चाहिए

ममता के बयान पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा- जो लोग चीजों को केवल राजनीतिक चश्मे से देखते हैं, उनकी राय अलग हो सकती है, मैं इसमें नहीं जाऊंगा। लेकिन, सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि जो भी देश हित में हो, वो किया जाना चाहिए।

रूल्स देख लेने दीजिए,गलत हुए तो हम उसका विरोध करेंगेःममता

गृह मंत्रालय के नॉटिफिकेशन से पहले पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी ने कहा- पहले मुझे नियमों को देखने दीजिए। अगर लोगों को नियमों के तहत उनके अधिकारों से वंचित किया जाता है, तो हम इसके खिलाफ लड़ेंगे। यह चुनाव के लिए बीजेपी का प्रचार है और कुछ नहीं।

संक्षिप्त खबरें

जेएनयू में चार साल बाद हो रहा छात्र संघ का चुनाव

22 मार्च को होगा मतदान

नई दिल्ली,11 मार्च 2024(ए)। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में छात्र संघ का चुनाव चार साल बाद कराने का एलान कर दिया गया है। विश्वविद्यालय में छात्र संघ का चुनाव कराने वाली चुनाव समिति के अनुसार, सत्र 2023-24 के छात्र संघ को चुनने के लिए 22 मार्च को वोट डाले जाएंगे। मतदान के बाद उसी दिन मतों की गिनती शुरू हो जाएगी और 24 मार्च तक इसके नतीजे आ जाएंगे।चुनाव समिति के अनुसार, सोमवार को अस्थायी वोटर लिस्ट का प्रकाशन कर दिया जाएगा। इसमें सुधार का काम मंगलवार से शुरू किया जाएगा।

बस पर हाईटेंशन तार गिरने से 5 लोगों की मौत

गाजीपुर,11 मार्च 2024(ए)। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में एक यात्री बस में आग लगने से बड़ा हादसा हो गया. बताया जा रहा है कि 11 हजार वोल्ट के हाईटेंशन तार को छू जाने से बस में आग लग गई. आग लगते ही बस धू-धू कर जलने लगी। इस आग की चपेट में कई यात्री आ गए जिससे मौके पर चीख-पुकार मैच गई। अभी तक 5 लोगों की मौत हो चुकी है।. मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, शहर के मरदह क्षेत्र के महाहर धाम के पास एक मिनी बस में हाईटेंशन तार के छू जाने से आग लग गई। देखते ही देखते बस आग का गोला बन गई।

नहीं आया बैंक अकाउंट में महतारी वंदन योजना का पहला किस्त ?

रायपुर,11 मार्च 2024(ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी से छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना की शुरूआत करते हुए 70 लाख 12 हजार 417 महिलाओं के खाते में 1000-1000 रुपए की प्रथम किश्त की राशि अंतरित की। महिलाओं के खाते में 655 करोड़ 57 लाख रुपए की राशि अंतरित की गई। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये मोदी की गारंटी है हमारी माताओं-बहनों को छत्तीसगढ़ सरकार नियमित रूप से प्रति माह 1000 रुपए की राशि अंतरित करेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उनकी टीम ने इस योजना का जितनी तेजी से क्रियान्वयन किया है उसके लिए मैं उन्हें जितनी बधाई दूं,उतनी कम है। लेकिन कई ऐसी महिलाएं हैं, जिनके खाते में न तो पैसा आया और न ही मोबाइल पर मैसेज आया है।

वहीं, दूसरी ओर जिन महिलाओं के खातके में पैसा नहीं आया उनके लिए महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने बड़ी बात कही है। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि सभी

महिलाओं के खाते में पैसा आ गया है। लेकिन जिन महिलाओं के खाते में पैसा नहीं आया है उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है। धैर्य बना कर रखें, जल्द ही सभी के खाते में पैसा आ जाएगा। वहीं, उन्होंने ये भी कहा कि थर्ड जेंडर को भी इस योजना का लाभ मिले इसके लिए हमारी सरकार जल्द निर्णय लेगी।

ऐसे चेक करें पैसा आया या नहीं? सबसे पहले महतारी वंदन. सीजी स्टेट. जीओव्ही. आईएन वेब पोर्टल को ओपन कीजिए। महतारी वंदन योजना की वेबसाइट खुलने के बाद मेनू में आवेदन की स्थिति विकल्प को सेलेक्ट करें। इसके बाद अपना लाभार्थी क्रमांक या मोबाइल नंबर या अपना आधार कार्ड संख्या कोई भी एक डिटेल इंटर कीजिए। इसके बाद स्क्रीन में दिए गए कैप्चा कोड को निर्धारित बॉक्स में भरें। डिटेल इंटर करने के बाद नीचे सबमिट बटन पर क्लिक कीजिए।

जैसे ही डिटेल्स वेरीफाई होगा महतारी वंदन योजना-लाभार्थी आवेदन एवं भुगतान की स्थिति दिखाई देगा। यहां पर आप चेक कर सकते हैं कि महतारी वंदन योजना का पैसा आपके बैंक अकाउंट में आया है या नहीं। महतारी वंदन योजना के तहत ट्रांसफर किए गए पैसे अगर आपके खाते में नहीं आया तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। अगर पैसे नहीं आए हं तो सबसे पहले आप ये पता करें कि आपका बैंक अकाउंट आधार से लिंक है या नहीं। अगर बैंक से आधार लिंक है तो ये भी सुनिश्चित करें कि डीबीटी इनेबल है या नहीं। आप अपने बैंक में जाकर सबसे पहले केवाईसी फॉर्म मांगे। फिर फॉर्म को भरकर एवं पैन आधार कार्ड की फोटोकॉपी लगाकर जमा करें। इसके साथ ही बैंक अधिकारी से बोले कि आपको अपने बैंक अकाउंट में आधार नंबर लिंक करवाना है एवं डीबीटी सुविधा इनेबल करवाना है। जैसे ही आपके बैंक अकाउंट में आधार लिंक एवं डीबीटी ऑन हो जाएगा, आपके बैंक अकाउंट में महतारी वंदन योजना का पैसा जमा हो जाएगा।

केंद्र को चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करने से रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका

नई दिल्ली,11 मार्च 2024(ए)। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर चुनाव आयोग में रिक्त पदों पर वर्तमान कानून के अनुसार नियुक्तियां करने से केंद्र सरकार को रोकने की मांग की गई है। वर्तमान कानून भारत के मुख्य न्यायाधीश को मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और अन्य चुनाव आयुक्तों (ईसी) की नियुक्ति की प्रक्रिया से बाहर करता है।

आवेदन में शीर्ष अदालत की मार्च 2023 की संविधान पीठ के फैसले के अनुसार चुनाव आयोग के सदस्यों की नियुक्ति का निर्देश देने की मांग की गई है। इसमें प्रधानमंत्री, लोकसभा में नेता विपक्ष (एलओपी) और भारत के मुख्य न्यायाधीश के पैनल की सलाह पर चुनाव आयोग के शीर्ष अधिकारियों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा करने की बात कही गई है।

कांग्रेस नेता जया ठाकुर ने मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की स्थिति और पद ग्रहण की अवधि) अधिनियम, 2023 की वैधता को चुनौती देते हुए जनहित याचिका दायर की है।केंद्रीय कानून और न्याय मंत्रालय द्वारा जारी गजट अधिसूचना के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के समक्ष कई जनहित याचिकाएं दायर की गई हैं। इस अधिसूचना में कहा गया है कि प्रधान मंत्री, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष व प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री से मिलकर बनी चयन समिति की सिफारिश पर भारत के राष्ट्रपति द्वारा सीईसी और ईसी की नियुक्ति की जाएगी।

आज शाम तक चुनावी बॉन्ड की जानकारी सार्वजनिक करे एसबीआई

नई दिल्ली,11 मार्च 2024(ए)। चुनावी बॉन्ड मामले पर सुप्रीम कोर्ट में एसबीआई को राहत देने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि एसबीआई कल तक ही जानकारी दे और 15 मार्च तक चुनाव आयोग उस जानकारी को सार्वजनिक करे।

एसबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर इलेक्टोरल बॉन्ड की जानकारी देने के समय सीमा 30 जून तक बढ़ाने की मांग की थी। एसबीआई की तरफ से सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई में वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे पेश हुए। साल्वे ने कोर्ट को बताया कि सर्वोच्च अदालत के आदेश के बाद एसबीआई ने नए इलेक्टोरल बॉन्ड्स जारी करने पर रोक लगा दी है, लेकिन समस्या ये है कि जो इलेक्टोरल बॉन्ड जारी हुए हैं उस पूरी प्रक्रिया को पलटना होगा और इसमें समय लगेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई की दलील मानने से इनकार कर दिया और कल शाम तक ही जानकारी देने का आदेश दिया।

राज्य सरकार ने बड़ी संख्या में पुलिस निरीक्षकों के किये तबादले,आदेश जारी

रायपुर,11 मार्च 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में अधिकारीयों के तबादलों का दौर लगातार जारी है। इसी कड़ी में राज्य सरकार ने बड़ी संख्या में पुलिस निरीक्षकों के तबादले किये हैं। इस सम्बन्ध में राज्य सरकार ने आदेश भी जारी कर दी हैं। जारी आदेश के मुताबिक 50 निरीक्षकों के तबादले किए गए है।

मालेगांव विस्फोट मामले में सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह के खिलाफ वारंट जारी

साध्वी प्रज्ञा के सितारें गर्दिश में, पार्टी ने काटा टिकट एनआईए ने जारी किया वारंट

मुंबई,11 मार्च 2024 (ए)। 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर के खिलाफ मुंबई की एक विशेष एनआईए अदालत ने 10000 रुपये का जमानती वारंट जारी किया है। सांसद के वकील ने मेडिकल आधार पर छूट का आवेदन दायर किया था लेकिन अदालत ने आवेदन खारिज कर दिया और जमानती वारंट जारी कर दिया। यह अब अगली पेशी यानी 20 मार्च को वापस किया जा सकेगा। दरअसल यह वारंट मामले में सुनवाई के दौरान ही जारी किया गया था।

नक्सलियों ने एक व्यक्ति को उतारा मौत के घाट

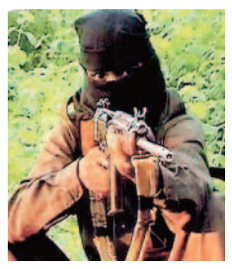

बीजापुर,11 मार्च 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों का आतंक लगातार जारी है। इसी के तहत एक बार फिर बीजापुर क्षेत्र से माओवादियों की करयाणा करतूत की खबर सामने आई है। यह लाल आतंकियों ने एक शख्स की हत्या कर उसकी लाश सड़क पर फेंक दी।

इस बारें में जानकारी देते हुए एएसपी चंद्रकांत गवर्ना ने बताया कि मामला कुटरू थाना क्षेत्र का हैं। कुटरू क्षेत्र के पेटा गांव के रहने वाले एक शख्स की लाश पाता कुटरु के पास सड़क पर बरामद गई हैं। पुलिस के मुताबिक़ नक्सलियों ने मृतक का दो दिन पहले अपहरण कर लिया था। बहरहाल पुलिस ने अज्ञात नक्सलियों के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए उनकी तलाश शुरू कर दी हैं। नक्सलियों ने किन वजहों से शख्स की हत्या की हैं यह पता नहीं चल पाया हैं।

शिक्षक गया जेल के अंदर

बच्चियों के साथ की गंदी हरकत

बिलासपुर,11 मार्च 2024(ए)। नाबालिग आठवीं नवमी की बच्चियों के साथ छेड़खानी करने वाले शिक्षक कमलेश साहू को पुलिस ने कल गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। ज्ञात हो कि बिल्हा ब्लॉक के एक मिडिल स्कूल में पदस्थ शिक्षक कमलेश साहू लंबे समय से आठवीं और नवमी कक्षा में पढने वाली कई छात्राओं के साथ अश्लील हरकत करता था। इसकी शिकायत मिलने पर जिला शिक्षा अधिकारी ने जांच कराई थी। पीड़ित बच्चियों में से एक के परिजन ने बिल्हा थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। विभागीय जांच रिपोर्ट मिलने के बाद आरोपी शिक्षक को सस्पेंड कर दिया गया था। इसके अलावा संकुल समन्वयक आशा कंवर और प्रधान पाठक अविनाश तिवारी को भी स्कूल से हटा दिया गया था। इधर पुलिस ने पोक्सो एक्ट तथा आईपीसी की धारा 354 के तहत अपराध दर्ज करने के बाद शिक्षक को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट में पेश करने पर उसे न्यायिक डिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

अगर ईडी ने तलब किया है,तो जाना चाहिए

तिरुवनंतपुरम,11 मार्च 2024 (ए)। ईडी यानी प्रवर्तन निदेशालय के समन को लेकर केरल हाईकोर्ट ने बड़ी टिप्पणी की है। एक याचिका पर सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय ने कहा है कि अगर किसी को जांच एजेंसियां समन भेजती हैं, तो उन्हें पेश होना ही चाहिए। खास बात है कि इससे पहले सुप्रीम कोर्ट भी ईडी के समन का सम्मान करने की बात कह चुका है। याचिका पर जस्टिस देवन रामचंद्रन सुनवाई कर रहे थे। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि उनके विचार से भले ही कोई व्यक्ति किसी भी पद पर हो, लेकिन अगर ईडी ने तलब किया है, तो उसे जाना चाहिए। उन्होंने कहा, प्लीज ईडी का सहयोग करें। वो आपके खिलाफ जो ऐक्शन लेंगे, उसे मैं नियंत्रित करूंगा। ईडी के सामने पेश हो और यहां वापस आएं। मैं आपकी मदद करूंगा। उन्होंने आगे कहा, लेकिन समन से बचे नहीं। यह बात सिर्फ इस मामले में ही नहीं, बल्कि मेरी एक राय है। सुप्रीम कोर्ट भी कहता है कि जब जांच

अधिकारी समन भेजते हैं, तो हम उनसे बच नहीं सकते। हम सभी नागरिक हैं। अगर ईडी मुझे समन भेजती है, तो मुझे भी जाना होगा। कोई भी किसी से भी ऊपर नहीं है। प्लीज समन का जवाब दें।

रिपोर्ट के अनुसार, ई-कॉमर्स कंपनी वेबमेप ट्रेडर्स चलाने वाले प्रशांत पी नायर की तरफ से याचिका दाखिल हो गई थी। उनकी कंपनी साल 2020 से हाईरिच ऑनलाईन सॉपी को अकाउंटिंग कंसल्टेंसी की सेवाएं दे रही थी। दोनों कंपनियों के बीच बड़े लेनदेन हुए, लेकिन अगस्त 2022 में एग्रीमेंट रिन्यू नहीं होने के चलते लेनदेन बंद हो गए। इसके बाद हाईरिच की ईडी ने जांच शुरू की और नायर के बैंक खाते फ्रीज कर दिए गए और उन्हें समन भी जारी किए गए। इसके बाद नायर ने उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की और बैंक खातों को बहाल करने की मांग की। रिपोर्ट में ईडी की हवाले से बताया गया है कि जब नायर को तलब किया गया, तो उन्होंने पेश होने में असुविधा की बात कही। इस संबंध में 19 मार्च तक कोर्ट में रिपोर्ट दाखिल करने के लिए भी कहा गया है।

देवी-देवताओं को अपमानित करने वाला पास्टर गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा,11 मार्च 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में पुलिस ने कथित पास्टर बामिया पूर्ति को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि नगर पालिका वार्ड नंबर 25 के अमरैया पारा में पास्टर बामिया हिंदू धर्म के देवी देवताओं को अपमानित कर रहा था। पूरा मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। आरोप है कि हिंदूओं को ईसाई धर्म में शामिल होने माइक से प्रचार कर रहा था, जिसकी शिकायत ग्राम पंचायत सचिव शिव कुमार साहू ने की थी। पुलिस ने पास्टर बामिया पूर्ति को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा है। वहीं बैनर, पोस्टर, पुस्तकें, पानी, सरसों तेल की बोतल को जब्त किया है।

संपादकीय

कांग्रेस के लिए ओडिशा में मौका

कांग्रेस पार्टी पिछले 24 साल से ओडिशा में सत्ता से बाहर है। लोकसभा चुनाव में भी उसका वोट आधार लगातार सिमटता गया है और पिछली बार उसे साढ़े 13 फीसदी के करीब वोट मिला था। असल में 15 साल पहले बीजू जनता दल और भाजपा का तालमेल समाप्त होगा और उसके बाद दोनों अलग अलग चुनाव लड़ते हैं।इससे धीरे धीरे कांग्रेस तीसरे नंबर की पार्टी हो गई। अब फिर से बीजद और भाजपा साथ आ रहे हैं तो कांग्रेस को मौका बन रहा है कि वह अपने प्रदर्शन में सुधार करे। हालांकि कांग्रेस के केंद्रीय नेता इसके लिए पहले से तैयार नहीं थे। उनको नहीं लग रहा था कि बीजद और भाजपा में तालमेल होगा।अब कहा जा रहा है कि पार्टी ने मेहनत शुरू की है। पूर्व आईपीएस अधिकारी और झारखंड से सांसद रहे डॉक्टर अजय कुमार ओडिशा के प्रभारी हैं और वे पार्टी को अपने पैरों पर खड़ा करने की कोशिश में लगे हैं। पिछले दिनों पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीकांत जेना की कांग्रेस में वापसी हुई है।वे तटीय ओडिशा के मजबूत नेता हैं और कटक, केंद्रपाड़ा और बालासोर तीन सीटों से लोकसभा चुनाव जीत चुके हैं। उससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री गिरधर गमांग ने सपरिवार कांग्रेस में वापसी की। इससे कांग्रेस की उम्मीदें जिंदा हुई हैं और पार्टी के नेताओं को लग रहा है कि इस बार प्रदर्शन में थोड़ा सुधार हो सकता है।

सूची घोषित करती कांग्रेस और सेंध लगाती भाजपा

लोकसभा चुनाव में 400 पार की जुगत करने के लिए जहां भाजपा अपने सहयोगियों की संख्या बढ़ाती जा रही है तो वहीं दूसरी ओर कांग्रेस नेताओं का पलायन भी भाजपा की ओर उसी तेजी से हो रहा है। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी की न्याय यात्रा जहां-जहां से गुजर रही है वहां भी कोई न कोई बड़ा कांग्रेस नेता भाजपा में शामिल हो रहा है। मध्यप्रदेश में भी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा कांग्रेस के बड़े-बड़े नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल करने का अभियान छेड़े हुए हैं ताकि कांग्रेस को मैदान के साथ ही मनोवैज्ञानिक शिकस्त भी दें तथा कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं में जो हार की हताशा से उबरने की कोशिश कर रहे हैं फिर नैराश्य की वादियों में खो जायें। फिलहाल तो छत्तीसगढ़ में कोई दलबदल अभी तक नहीं हुआ है लेकिन लोकसभा चुनाव के चलते इसकी संभावना को नकारा भी नहीं जा सकता क्योंकि भाजपा ऐन केन प्रकारेण कांग्रेस को राजनीतिक फलक पर अप्रासंगिक करने की मुहिम छेड़े हुए है। लेकिन इसके साथ ही कांग्रेस के उन कार्यकर्ताओं व नेताओं में उम्मीद भी जाग रही है कि अब उन्हें अपनी पार्टी में कुछ मौका मिल जाये जिन्हें नेताओं की गणेश परिक्रमा न करने के कारण कोई मौका नहीं मिल पाता था। कांग्रेस ने 39 उम्मीदवारों की जो पहली सूची जारी की है उसमें छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री रहे भूपेश बघेल और अभी तक सबको चुनाव लड़ाने वाले और राज्यसभा के माध्यम से सांसदी का लाभ लेने वाले के. सी.वेणुगोपाल को भी अब लोकसभा चुनाव लडना होगा। इस प्रकार कुछ और कांग्रेस नेताओं की अग्नि परीक्षा अब चुनाव में हो सकती है जो अभी तक चुनाव से बचते रहते थे।मध्यप्रदेश में कांग्रेस के एक बड़े नेता पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सुरेश पचौरी ने आज अपने अधिकांश समर्थकों के साथ भाजपा में प्रवेश कर लिया है। जो लोग भाजपा में शामिल हुए हैं उनमें इंदौर के पूर्व कांग्रेसी विधायक विशाल पटेल, संजय शुक्ला और पूर्व सांसद गजेंद्र सिंह राजूखेड़ी,समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक और अब कांग्रेस नेता बने अर्जुन पलिया, पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष रहे आलोक चंसोरिया, भोपाल नगर पालिक निगम के सभापति रहे कैलाश मिश्रा तथा योगेश शर्मा, अतुल शर्मा, सुभाष यादव, दिनेश ढिमोले, जसपाल सिंह अरोरा शामिल हैं। इस अवसर पर सुरेश पचौरी ने कहा कि भगवान श्रीराम जी की प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन हो रहा था जिसके निमंत्रण पत्र को अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल कर जब ठुकरा दिया गया तब मुझे आघात पहुंचा, मैं अयोध्या में राम मंदिर का पक्षधर आरंभ से रहा हूं, निमंत्रण पत्र को अस्वीकार करने की आवश्यकता नहीं थी। मैं स्वामी शंकराचार्य स्वरुपानंद का दीक्षित शिष्य हूं मुझे तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने भेजा कि जाओ शंकराचार्य जी से पूछ कर आओ कि क्या करना है, तो उन्होंने कहा कि अयोध्या में शिलान्यास हो और मंदिर बने। सितम्बर 1999 में राजीव जी ने जवाब दिया कि तदानुसार काम हो फिर हम तत्कालीन गृहमंत्री बूटासिंह के साथ गये और वहां शिलान्यास किया। वहां अशोक सिंघल जी भी थे, फिर अब निमंत्रण पत्र अस्वीकार करने की आवश्यकता कहां से पड़ गयी। राम मंदिर का ताला खुलना, शिलान्यास होना किसके कार्यकाल में हुआ यह बोला जा सकता था।भाजपा में उपरोक्त नेताओ को शामिल करने के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज का दिन वास्तव में एक नया इतिहास बनने जा रहा है। वैसे तो सबको आहट थी कि जहां-जहां राहुल गांधी जाते हैं वहां कांग्रेस के काम करने के तरीके का असर आता है। अच्छे स्थापित स्वच्छता के साथ राजनीति करने वाले, मन की भावनाओं के आधार पर काम करने वाले नेता हर दल के अंदर होते हैं लेकिन साफ-सुथरी राजनीति करने वालों को काम करने की अनुकूलता देना, मौका देना, यह नेतृत्व पर निर्भर करता है। यह दुर्भाग्य की बात है कि कांग्रेस का नेतृत्व ऐसे स्वच्छता व साफ सोच के साथ राजनीति करने वाले नेता जो देश के विकास के लिए राजनीति करते हैं ऐसे लोगों को निराश करता है, ऐसे में कोई भी स्वाभिमानी व्यक्ति कांग्रेस के लिए काम नहीं करना चाहेगा। मैं तो कहूंगा कि राहुल गांधी दो-तीन यात्राएं और निकालें क्योंकि अभी जहां-जहां राहुल गांधी जाते हैं वहां-वहां कांग्रेस साफ होती जा रही है। डॉ. यादव ने कहा कि महात्मा गांधी की भावना को सही साबित करने का काम राहुल गांधी कर रहे हैं, महात्मा गांधी ने कहा था कि आजादी के बाद कांग्रेस को भंग कर देना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का कहना था कि आज की घटना मध्यप्रदेश की राजनीति की असाधारण घटना है। सुरेश पचौरी जी के संस्कारों का मैं आरंभ से ही कायल था। वह दो-दो पीएम के साथ रहे लेकिन उनके दामन में एक भी दाग नहीं लगा, जिन पदों पर उन्होंने काम किया वहां उन्होंने एक अलग छाप छोड़ी। कांग्रेस का दुर्भाग्य है कि वह एक दिशाहीन नेता के नेतृत्व में काम कर रही है। यह अदभुत समय है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के पीछे पूरा हिंदुस्तान खड़ा है, पचौरीजी मेरे सीनियर रहे हैं, मैं उनका जूनियर रहा हूं। अब साथ काम करने का मौका मिलेगा।राम वन पथ गमन का विकासडॉ. मोहन यादव के मुख्यमंत्री बनने के साथ ही राम वन पथ गमन के विकास में गति आ गयी है। पहले आरंभ में शिवराज सिंह चौहान की सरकार में जोरशोर से राम पथ गमन का काम आरंभ हुआ था, लेकिन फिर उसकी गति कुछ धीमी हो गई। बाद में एक प्रकार से वहां नाममात्र के काम ही हुए। लेकिन डेढ़ दशक बाद जब कमलनाथ के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार बनी तब उन्होंने फिर से इसकी सुध ली और काम में तेजी आई। डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व संभालने के साथ ही राम वन पथ गमन के जो काम हो रहे थे उनमें तेजी आ गयी और इसके विकास की जिम्मेदारी सात विभागों को दे दी गयी है। लोकसभा चुनावों के बाद ये विभाग पूरे विकास कार्यों का ब्लू प्रिंट तैयार करेंगे। पहले चरण में चित्रकूट और अमरकंटक को लिया जायेगा जिसका मास्टर प्लान बनेगा ताकि इन शहरों को सुव्यवस्थित बनाया व बसाया जा सके। धार्मिक पर्यटन के लिए विशेष सुविधायें उपलब्ध कराई जायेंगी। राम वन पथ गमन का विकास, केंद्र सरकार की ईको पर्यटन योजना से किया जायेगा। प्रदेश से पंचायत एवं ग्रामीण विकास, वन, नगरीय प्रशासन, धर्मस्व, संस्कृति, पर्यटन, जल संसाधन, राजस्व, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा तथा लोक निर्माण विभाग सहयोग करेंगे। मध्यप्रदेश के हिस्से वाले चित्रकूट का विकास मध्यप्रदेश सरकार करेगी और इसके लिए चित्रकूट को जिला भी बनाया जा सकता है। मध्यप्रदेश सरकार चित्रकूट में अंतर्राष्ट्रीय रामलीला कराने पर विचार कर रही है, इसके साथ ही दीपावली के समय विभिन्न तरह के उत्सव व धार्मिक आयोजन किए जायेंगे। त्यौहारों के उत्सव का काम संस्कृति विभाग करेगा। ग्रामीण विकास व पर्यटन विभाग घाटों का विकास करेगा। मंदाकिनी घाट का विकास ये दोनों विभाग करेंगे। जल संसाधन विभाग मंदाकिनी की धारा को अविरल बनाने का काम करेगा। नदी के ऊपर बने चेक डेम से पानी छोड़ने पर और बारिश के पानी को छोटे डेमो से रोकने का काम किया जायेगा। वन विभाग औषधि वन लगाने का काम करेगा। चित्रकूट और अमरकंटक में औषधि वन तैयार करने का काम वन विभाग को सौंपा गया है। वन विभाग इन क्षेत्रों में पाये जाने वाले औषधि पौधों का संरक्षण करेगा।और यह भीसुरेश पचौरी ने कहा है कि हमें कैलाश विजयवर्गीय से मंत्र सीखना है कि चुनाव लड़ें तो जीता कैसे जाता है।

-अरुण पटेल-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

कैसे रूकेगा दवा के नाम पर जहर बेचने का कारोबार ?

देश में स्वास्थ्य कितना बड़ा मुद्दा है और इससे खिलवाड़ कितना आसान है यह नकली दवाओं के काले कारोबार में लिप्त सिंडीकेट के हालिया पर्दाफाश से पता चलता है।

पुलिस ने गिरोह के सरगना सहित दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश से 10 लोगों को गिरफ्तार किया है तथा कई करोड़ कीमत की पैन किलर्स, एंटीबायोटिक, डायबिटीज और माइग्रेन की नकली दवाइयां जब्त की हैं।

देश में आए दिन नकली दवाइयों का भंडाफोड़ होना शर्मनाक है। उससे भी दुखद है राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में नकली दवा कंपनी का पकड़े जाना। यह न केवल स्वास्थ्य के साथ अनदेखी है बल्कि देश के साथ शत्रुता के समान है।

भारत की जनसंख्या अधिक है इसलिए उसी अनुपात में यहां बीमारियां और बीमार लोगों की संख्या भी बहुत है। इसी का फायदा लालची लोग उठाते रहे हैं। बताते हैं कि पैसे की हवस में आम नागरिकों की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाले नकली दवाइयों के शातिर शिकारियों की सरपरस्ती में देश की राजधानी दिल्ली और आसपास के क्षेत्र में नामी देसी और विदेशी कंपनियों की ब्रांडेड नकली दवाएं कारखानों में बन रही थी, जिसे ट्रांसपोर्ट कंपनी के जरिए कुरियर किया जा रहा था। गिरोह से जुड़े सप्लायर दुकानों तक इन्हें पहुंचाते थे, जिसे जरूरतमंद जनता दवा समझ कर खरीद रही थी।

नकली दवाइयों का यह मामला केवल एक राज्य क्षेत्र तक सीमित नहीं है। तेलंगाना सरकार ने मेघ लाइफ साइंसेज द्वारा तैयार 33 लाख रुपए से ज्यादा की तीन दवाइयों की जांच की तो उसमें दवा का कोई भी तत्व नहीं पाया गया। राज्य के औषध नियंत्रण प्रशासन ने तीनों नकली दवाओं में केवल चाक पाउडर और स्टार्च मिला हुआ पाया। पिछले महीने महाराष्ट्र में भी भारी मात्रा में नकली एंटीबायोटिक दवाओं को जब्त किया गया। ऐसी कंपनियां भ्रष्टाचार का सहारा लेकर सरकारी अस्पतालों में भी आपूर्ति करने में कामयाब हो जाती हैं।

एक ऐसे समय में जब भारत का दवा उद्योग दुनिया की नई फार्मेसी के रूप में रेखांकित हो रहा है, नकली दवाओं का जखीरा भारतीय दवाओं की साख को फिर से कटघरे में खड़ा कर रहा है। पिछले वर्ष भारतीय कंपनियों द्वारा तैयार कुछ दवाओं की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठे थे। खासकर जांबिया और उज्बेकिस्तान में बच्चों की मौत को भारत में बनी खांसी की दवा से जोड़ा गया था। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि भारत में बनी खांसी की दवा डाइथेलेन ग्लाइकोल और इथालेन ग्लाइकोल इंसान के लिए जहर की तरह है। यही कारण था कि भारत से अफ्रीकी देशों को होने वाला दवा निर्यात वित्त वर्ष 2022-23 में 5प्र घट गया। सरकार ने दवाओं की गुणवत्ता को गंभीरता से लिया और कहा कि भारत में बनने वाली दवाओं की गुणवत्ता को लेकर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। नकली दवाएं बनाने वाली कंपनियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सभी छोटे और मझौले दवा निर्माताओं के लिए चरणबद्ध तरीके से औषधि एवं प्रसाधन अधिनियम 1940 की अनुसूची एम को अनिवार्य बनाने की बात की गई थी। यह अनुसूची भारत की दवा निर्माता ईकाइयों की बेहतरीन निर्माण गतिविधियों से जुड़ी है। इस परिप्रेक्ष्य में सरकार द्वारा दवा बनाने वाली कंपनियों की जांच के लिए विशेष दस्ते का गठन किया गया। दवा उत्पादों की उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नियामक प्राधिकारियों ने जोखिम के आधार पर कंपनियों का लेखा-जोखा जांचना शुरू किया। 137 कंपनियों की जांच की गई और 105 के खिलाफ कार्रवाई भी हुई। 31 का उत्पादन रोका गया और 50 के खिलाफ उत्पाद या जारी किए अनुभाग लाइसेंस रद्द करने और निलंबन की कार्रवाई की गई। इसके साथ ही 75 को कारण बताओं नोटिस जारी कर किया गया तथा 31 को चेतावनी जारी की गई।

-अनिल तिवारी-

भाजपा को गठबंधन का सहारा

उत्तर प्रदेश की अमेठी सीट पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को हराने वाली भाजपा की नेता और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने चुनौती दी है कि कांग्रेस या राहुल गांधी कभी सपा या बसपा का समर्थन लिए बगैर लड़ कर दिखाएं। सोचें, यह बात भाजपा कह रही है, जिसने विपक्षी गठबंधन के मुकाबले दिल्ली में 38 पार्टियों को इकट्ठा किया था और दिखाया था कि उसके पास ज्यादा पार्टियां हैं। भाजपा देश भर में खोज खोज कर छोटी बड़ी पार्टियों से तालमेल कर रही है।दूसरी पार्टियों से खोज खोज कर नेता निकाल रही है और उनको भर्ती मेला लगा कर अपनी पार्टी में शामिल करा रही है। उसके नेता दूसरी पार्टियों को चुनौती दे रहे हैं कि वे बिना गठबंधन के राजनीति करके दिखाएं! यह मौजूदा भारतीय राजनीति की विडम्बना है।बहरहाल, भाजपा इस बार 370 सीटें जीतने का दावा कर रही है लेकिन असल में उसका लक्ष्य 272 सीटों के जादुई आंकड़े तक पहुंचने का है और इसके लिए उसके पास सिर्फ गठबंधन का सहारा है। प्रधानमंत्री के तमाम जादू और करिश्मे के बावजूद भाजपा अपने दम पर सिर्फ गिने चुने राज्यों में ही चुनाव लड़ रही है। कर्नाटक में जहां उसने पिछले चुनाव में अपने दम पर 25 सीटें जीती थीं और उसके समर्थन से एक निर्दलीय उम्मीदवार भी जीती थीं वहां भी उसे जनता दल एस से तालमेल की जरुरत पड़ गई है।वह तीन या चार सीट देकर जेडीएस के साथ चुनाव लड़ रही है। आंध्र प्रदेश में पिछली बार उसे एक फीसदी से भी कम वोट मिले थे और पूरे पांच साल पार्टी ने जगन मोहन रेड्डी के प्रति सद्भाव रखा। लेकिन अब टीडीपी और जन सेना पार्टी के साथ तालमेल किया जा रहा है ताकि खाता खुल सके। तमिलनाडु में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अन्ना डीएमके के संस्थापक एमजी रामचंद्रन की खूब तारीफ करके तालमेल का रास्ता बनाने का प्रयास किया लेकिन अन्ना डीएमके तैयार नहीं हुई। सो, तमिल मनीला कांग्रेस जैसी कुछ छोटी पार्टियों से भाजपा तालमेल कर रही है।उसने बिहार में जैसे तैसे नीतीश कुमार के साथ तालमेल किया। भाजपा के तमाम शीर्ष नेता रोज नीतीश को कोसते थे और कहते थे कि उनके लिए खिड़की, दरवाजे सब बंद हैं। लेकिन फिर अपनी बात से पलटते हुए भाजपा ने न सिर्फ नीतीश को साथ लिया, बल्कि उनको मुख्यमंत्री भी बनाया। उनके साथ आ जाने के बावजूद भाजपा लोक जनशक्ति पार्टी के दोनों नेताओं चिराग पासवान और पशुपति पारस को साथ रखना चाह रही है और साथ ही उपेंद्र कुशवाहा और जीतन राम मांझी से भी तालमेल कर रही है। इतना ही नहीं मुकेश सहनी की पार्टी को भी साथ लेने के प्रयास हो रहे हैं।झारखंड में आजसू के साथ तालमेल में पार्टी एक सीट छोड़ रही है। उत्तर प्रदेश में पहले उसके साथ सिर्फ एक पार्टी अपना दल का तालमेल था, लेकिन अब चार पार्टियों से तालमेल हो गया।उधर महाराष्ट्र में पिछली बार भाजपा और शिव सेना ने मिल कर राज्य की 48 में से 41 सीटें जीती थीं लेकिन बाद में शिव सेना अलग हो गई। भाजपा ने शिव सेना में विभाजन का राजनीति की, जिसके बाद एकनाथ शिंदे अलग हुए और उनके खेमे को असली शिव सेना की मान्यता मिली।इसी तरह शरद पवार की एनसीपी टूटी तो अजित पवार खेमे को असली एनसीपी माना गया। अब भाजपा इन दोनों कथित असली पार्टियों के साथ तालमेल कर रही है और फिर भी पिछली बार का प्रदर्शन दोहराने के भरोसे में नहीं है। चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों में महा विकास अघाड़ी यानी कांग्रेस, उद्धव ठाकरे और शरद पवार की पार्टियों को बढ़त बताई जा रही है। ऐसे ही पंजाब में अपनी दो सीटें बचाने के लिए भाजपा एक बार फिर अकाली दल के साथ तालमेल की बात कर रही है।कांग्रेस से आयातित कैप्टेन अमरिंदर सिंह और सुनील जाखड़ निष्प्रभावी साबित हुए हैं। त्रिपुरा की दो सीटों के लिए तिपरा मोथा से तालमेल हो रहा है और उसको सरकार में शामिल किया जा रहा है। सो, भाजपा उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक गठबंधन बनाने में जुटी है, जिसका मकसद किसी तरह से बहुमत हासिल करना है।

-हरिशंकर व्यास-

अंधविश्वास

अमरबेल कस फइले हावय,दुनिया
भर मा किस्सा।
आज अंधविश्वास करत हे, घर के
बाँटा हिस्सा।।
कोन सही हे कोन गलत हे, समझ
नहीं जे पावय।
दूसर बात भरोसा कर के, जिनगी
भर पछतावय।।
नहीं कभू भगवान कहे जी, जीव
काट के खावव।
किसम-किसम के फल तरकारी,
उन ला तुम अपनावव।।
जीव मरम हे एक बरोबर, होथे दुख
अउ पीरा।
फँसो नहीं तुम पर के झाँसा,
सब भुइयाँ के हीरा।।
कुकरा-कुकरी छेरी-पठरू,
मारे कोन सुख पाहे।
पढ़े-लिखे हे लोग तभो ले,
निच्चट ही अड़हा हे।।
पेट बने शमशान घाट अउ, देवी
दोष लगावय।
स्वारथ के संसार म संगी, माँस ल
भोग चढ़ावय।।
रामायण अउ भगवत गीता, महिमा
हे बड़ भारी।
गुनव खोल के थोरिक पोथी, तर
जाहू सँगवारी।।
त्याग अंधविश्वास भरम ला,सत के
बाँधव डोरी।
तन मन ला निमगा तुम राखव, अब
झन बनव अघोरी।।

प्रिया देवांगन प्रियू
राजिम गरियाबंद
छत्तीसगढ़

इस शहर में अब कभी नहीं आना है

जहाँ रिश्तो मे आदर,सम्मान नहीं है
अपनेपन का भी कोई स्थान नहीं है
केवल नफरत का जहाँ ताना-बाना है
इस शहर मे अब कभी नहीं आना है
थोड़ा भी आदर और विश्वास नहीं है
थोड़ा भी खुशियाँ आसपास नहीं है
जिसकी तलाश मे अब ये जमाना है
इस शहर मे अब कभी नहीं आना है
कहर ही बरसा रहा है बात-बात पर
काबू नहीं है अब अपने जज्बात पर
अब ख़ुशी नहीं कोई भी ठिकाना है
इस शहर मे अब कभी नहीं आना है
जब लगी आग है तो धुंआ भी उठेगा
ह्रदय मे गजब कसक भी तो उठेगा
हर गीत मे अब मुहब्बत का तराना है
इस शहर मे अब कभी नहीं आना है
अब आ ही गये है उनसे मिल लेते है
ख्यालो मे ही कुछ सपने बुन लेते है
मुहब्बत का दुश्मन सदा ही जमाना है
इस शहर मे अब कभी नहीं आना है

प्रमेशदीप मानिकपुरी
आमाचानी धमतरी
छ ग छत्तीसगढ़

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

मद

उन्नति की अहंकार मे ना खोओ तुम।
असफ्लता की साया पर ना रोओ तुम।।
अहंकार उन्नति का प्रबल बाधा है।
अरे दुर्बल मन तू ने इसे क्यों साधा है।।
असफलता तो एक मजबूत सीढ़ी है।
अधिकतर शिखर पर इसी से चढ़ी है।।
अहम की भाव तोड़ती सारी ज्ञान।
इससे दूर रहो बनोगे तुम ज्ञानवान।।
मै मे जो रहता साथी जितना चूर।
मीत प्रीत से हो जाता सभी दूर।।
अहंकार बना जीवन का एक बुराई।
देख इसे दूर होता जा मेरा रघुराई।।
मद खोदता रिश्ता मे एक गहरा खाई।
इससे दूर रहो सदा मेरे प्यारे बहन भाई।।
अहंकार अमावस का है घोर अंधकार।
दूर रहकर खुद का करना मानव उपकार।।

लक्ष्मी नारायण सेन
खुटेरी
गरियाबंद
(छत्तीसगढ़)

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

मैं अपनी मंजिल पा ही लूंगा

यकीन है अपनी मेहनत पर,
सपनों को सच कर ही लूंगा।
मैं अपनी मंजिल पा ही लूंगा।
बुलंद हौसलो के दम पर,
उन्नति के शिखर को छू ही लूंगा।
मैं अपनी मंजिल पा ही लूंगा।
राह चाहे कांटो से बिछी हो,
उन कांटो पर चल ही लूंगा।
मैं अपनी मंजिल पा ही लूंगा।
परिस्थितियां चाहे कैसी भी हो,
उन परिस्थितियों से लड़ ही लूंगा।
मैं अपनी मंजिल पा ही लूंगा।
राहों में मुश्किलें लाखो आएंगी,
उन मुश्किलों को पार कर ही लूंगा।
मैं अपनी मंजिल पा ही लूंगा।
जीवन मे चुनौतियां कई आएंगी,
चुनौतियों का सामना कर ही लूंगा।
मैं अपनी मंजिल पा ही लूंगा।

श्याम सुंदर साहू
प्राचार्य राजिम
जिला गरियाबंद
छत्तीसगढ़

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

भक्ति

सुख! तुम्हारे सुख क्षणिक हैं ।
आज है तो, कल नही है ।
जीवन है वह बदली जिसके
भाग्य में नीर नही है ।
ऐ खुशी! तुम्हारी खुशी
क्षणिक हैं ।
आज है तो कल नही है ।
जीवन है वह बदली जिसके,
भाग्य में नीर नही है ।
ऐ हँसी! तुम्हारी हँसी क्षणिक है ।
आज है तो कल नही है ।
जीवन है वह बदली जिसके,
भाग्य में नीर नही है ।
ऐ लक्ष्मी! तुम्हारी
लक्ष्मी क्षणिक है ।
आज है तो कल नही है ।
जीवन है वह बदली जिसके,
भाग्य में नीर नही है ।
ऐ विद्या! तुम्हारी
विद्या क्षणिक नही है ।
आज हो तो कल भी हो।
जीवन बनता वह सरिता जिसके,
भाग्य में नीर ही नीर है।
ऐ मेधा! तुम्हारी
मेधा क्षणिक नही है ।
आज हो तो कल भी हो।
जीवन बनता वह सरिता जिसके,
भाग्य में नीर ही नीर हो।
ऐ द्युति! तुम्हारी
द्युति क्षणिक नही है ।
आज हो तो कल भी हो।
जीवन बनता वह सरिता जिसके,
भाग्य में नीर ही नीर हो।
ऐ भक्ति! तुम्हारी
भक्ति क्षणिक नही है ।
आज हो तो कल भी हो।
जीवन बनता वह सरिता जिसके,
भाग्य में मुक्ति ही मुक्ति हो।

गरिमा राकेश गर्विता
कोटा ,राजस्थान।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

राजस्थान में कांग्रेस उतरेगी हैवीवेट प्रत्याशी

कांग्रेस पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव में राजस्थान के लिए अभी किसी प्रत्याशी के नाम की घोषणा नहीं की है। जबकि भाजपा ने 25 में से 15 सीटों पर प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर दी है। कांग्रेस चुनाव समिति की तरफ से अभी तक देश भर में कुल 39 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की गई है। आने वाले एक-दो दिनों में कांग्रेस पार्टी द्वारा कई अन्य प्रत्याशियों के नाम की घोषणा की जाने वाली है। जिसमें राजस्थान के प्रत्याशियों के नाम भी शामिल होने की बात कही जा रही है। राजस्थान में प्रत्याशियों के नाम की घोषणा में देरी के पीछे कांग्रेस पार्टी द्वारा प्रदेश में दो क्षेत्रीय दलों से चुनावी गठबंधन करने की संभावना को बताया जा रहा है।

राजस्थान में पिछले दो बार से लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी का खाता भी नहीं खुल पाया था। प्रदेश की सभी 25 लोकसभा सीटों पर दोनों बार भाजपा के प्रत्याशी जीते थे। मगर इस बार के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ऐसे प्रत्याशियों को मैदान में उतरना चाहती है जो भाजपा प्रत्याशियों को कड़ी टक्कर तो देंगे ही साथ ही प्रदेश में जीत का खाता भी खोल सकेंगे। तीन महीने पहले विधानसभा चुनाव में हार चुकी कांग्रेस पार्टी के पास अब प्रदेश में खोने को कुछ नहीं बचा है। ऐसे में कांग्रेस के केंद्रीय नेताओं का मानना है कि आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस करो या मरो की नीति पर चलते हुए पूरी ताकत के साथ चुनाव लडेगी। इसी श्रृंखला में कांग्रेस के सभी प्रदेश स्तरीय बड़े नेताओं को भी चुनाव मैदान में उतार जायेगा। हालांकि कांग्रेस के कई बड़े नेता लोकसभा चुनाव लड़ने में आनाकानी कर रहे हैं। मगर कांग्रेस आलाकमान ने जिस तरह से छत्तीसगढ़ में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को मैदान में उतारा है। उसको देखकर लगता है कि अब राजस्थान में भी कांग्रेस के बड़े नेताओं को चुनाव लड़ना ही पड़ेगा।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत राजस्थान में कांग्रेस के सबसे बड़े नेता माने जाते हैं। मगर उनके गृह क्षेत्र जोधपुर में दो बार से लगातार कांग्रेस हार रही है। पिछली बार तो उनके पुत्र वैभव गहलोत भाजपा के केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से करीबन 3 लाख से अधिक मतों से चुनाव हार गए थे। इसलिए इस बार कांग्रेस आलाकमान स्वयं अशोक गहलोत को जोधपुर से चुनाव मैदान में उतारने जा रहा है। अशोक गहलोत जोधपुर से पांच बार सांसद तथा जोधपुर संसदीय क्षेत्र के ही

सरदारपुर से छठी बार विधायक बने हैं। ऐसे में अशोक गहलोत के खुद के चुनाव लड़ने से चुनावी मुकाबला कांटे का होने की संभावना जताई जा रही है। अशोक गहलोत के लोकसभा चुनाव लड़ने का असर प्रदेश की अन्य लोकसभा सीटों पर भी पड़ेगा और कांग्रेस पार्टी मजबूत होगी।

इसी तरह कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सचिन पायलट को टोंक-सवाई माधोपुर सीट से चुनाव मैदान में उतर जाएगा। पायलट अभी टोंक से विधायक है तथा पूर्व में दौसा व अजमेर से सांसद रह चुके हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को सीकर लोकसभा सीट से चुनाव लड़वाया जाएगा। डोटासरा सीकर लोकसभा क्षेत्र के लक्ष्मणगढ़ से चौथी बार विधायक का चुनाव जीते हैं। पिछली गहलोत सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे गोविंद राम मेघवाल को बीकानेर सुरक्षित सीट से चुनाव लड़वाया जाएगा।

पूर्व मंत्री मुरारीलाल मीणा को दौसा संसदीय सीट से चुनाव लड़वाया जाएगा। पिछली बार उनकी पत्नी सविता मीणा को टिकट दिया गया था जो भाजपा की जसकौर मीणा से 78444 वोटो से चुनाव हार गई थी। अजमेर से पूर्व सांसद व पूर्व मंत्री रघु शर्मा को चुनाव लड़वाये जाने की चर्चा चल रही है। रघु शर्मा इस बार केकड़ी से विधानसभा चुनाव हार गये हैं। बाड़मेर से पूर्व मंत्री हरीश चौधरी को चुनाव लड़वाया जा सकता है। हरीश चौधरी अभी विधायक भी है तथा पूर्व में बाड़मेर से सांसद भी रह चुके हैं।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी को राजसमंद से चुनाव लड़वाया जा सकता है। सीपी जोशी पिछला विधानसभा चुनाव नाथद्वारा सीट से हार चुके हैं। वह पूर्व में कई बार विधायक व भीलवाड़ा से सांसद, केन्द्र सरकार में मंत्री, प्रदेश अध्यक्ष व राष्ट्रीय महासचिव भी रह चुके हैं तथा राजस्थान कांग्रेस में बड़े नेता माने जाते हैं। कोटा से पूर्व मंत्री शांति धारीवाल को चुनाव लड़वाने की चर्चा चल रही है। धारीवाल वर्तमान में कोटा उत्तर से विधायक है तथा पूर्व में कोटा से सांसद, कोटा के जिला प्रमुख व कई बार मंत्री रह चुके हैं।

झालावाड़ सीट से पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया का नाम चर्चाओं में है। उदयपुर सीट से रघुवीर मीणा को चुनाव लड़वाने की चर्चा है। हालांकि रघुवीर मीणा पिछले कई चुनाव हार चुके हैं मगर फिर भी वह उदयपुर से कांग्रेस के सबसे मजबूत उम्मीदवार के तौर पर उभरे हैं वह पूर्व में उदयपुर से सांसद हुए कई बार विधायक रह चुके हैं। महेंद्रजीत सिंह मालवीय के भाजपा में जाने के बाद बांसवाड़ा-डूंगरपुर सीट पर मौजूदा विधायक नानालाल निभाना की दावेदारी मजबूत हो रही है। हालांकि कांग्रेस भारतीय आदिवासी पार्टी से गठबंधन पर चर्चा कर रही है। यदि गठबंधन होता है तो बांसवाड़ा सीट कांग्रेस को छोड़नी पड़ेगी।जयपुर शहर से कांग्रेस अल्पसंख्यक समाज के विधायक सलीम कागजी को चुनाव लडवा सकती है। कागजी दूसरी बार विधायक बने हैं तथा कांग्रेस में बड़े अल्पसंख्यक चेहरे हैं। अलवर से कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव भंवर जितेंद्र सिंह का चुनाव लड़ना तय माना जा रहा है। जितेंद्र सिंह पूर्व में अलवर से सांसद, विधायक व केंद्र सरकार में मंत्री रह चुके हैं। भीलवाड़ा से पूर्व राजस्व मंत्री रामलाल जाट तथा पाली से दिव्या मदेरणा को चुनाव लड़वाया जाएगा। झुंझुनू में पूर्व मंत्री विजेंद्र ओला को चुनाव लड़वाया जाएगा। विजेंद्र ओला के पिता शीशराम ओला झुंझुनू से लगातार पांच बार सांसद व केंद्र सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे थे। विजेन्द्र ओला अभी झुंझुनू से चौथी बार विधायक है तथा गहलोत सरकार में राज्य मंत्री थे। चूरू से भाजपा के सांसद राहुल कस्वां को कांग्रेस प्रत्याशी बन सकती है। राहुल कस्वां का भाजपा ने टिकट काट दिया है। राहुल कस्वां दूसरी बार चूरू से सांसद हैं। उनके पिता रामसिंह कस्वां चार बार चूरू से सांसद व राजगढ़ से विधायक रह चुके हैं। ऐसे में कांग्रेस चाहती है कि राहुल कस्वां कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़े।राजस्थान में कांग्रेस हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी तथा भारतीय आदिवासी पार्टी के साथ चुनावी गठबंधन कर प्रदेश में इंडिया गठबंधन को मजबूत कर चुनाव लड़ना चाहती है। हनुमान बेनीवाल नागौर व बाड़मेर सीट तथा भारतीय आदिवासी पार्टी बांसवाड़ा-डूंगरपुर तथा उदयपुर सीट मांग रही है। ऐसे में कांग्रेस के बड़े नेता दोनों प्रादेशिक पार्टियों के नेताओं से बात कर गठबंधन को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। राजस्थान में दोनो क्षेत्रीय पार्टियों से गठबंधन होने की घोषणा के साथ ही कांग्रेस अपने प्रत्याशियों के नामों की सूची भी जारी कर देगी।

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू, राजस्थान

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

दैनिक घटती-घटना खबर के बाद राजमोहिनी शासकीय भूमि क्षति मामले में

सरगुजा कलेक्टर ने अनावेदक बंसू सहित 8 अनावेदकों को किया तलब

धारा 50 के तहत पुनरीक्षण

इस प्रतिवेदन के आधार पर कलेक्टर न्यायालय द्वारा प्रकरण को छ.ग. भू राजस्व संहिता की धारा 50 के तहत पुनरीक्षण में ग्राहय कर सुनवाई किया जा रहा है। इस प्रकरण में अनावेदक बंसु आत्मज भटकुल निवासी फुन्दुरडिहारी, तहसील अम्बिकापुर एवं उपरोक्त 08 अनावेदकगण को उपस्थित होकर जवाब प्रस्तुत करने हेतु पेशी तिथि दिनांक 14 मार्च 2024 को 3.00 बजे दोपहर को नियत किया गया है। जिला दण्डाधिकारी/कलेक्टर सरगुजा द्वारा जारी निर्देश के अनुसार सभी अनावेदकगण उक्त पेशी तिथि में कलेक्टर न्यायालय में उपस्थित होकर अपना-अपना जवाब और दस्तावेज प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि को अनावेदकगण यदि जवाब या दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करते हैं तो प्रकरण में एकपक्षीय रूप से अग्रिम कार्यवाही करते हुये प्रकरण में गुण दोष के आधार पर आदेश पारित कर दिया जायेगा।

क्या इस मामले में 14 मार्च के बाद कोई बड़ी कार्रवाई होगी ?

राजमोहिनी शासकीय भूमि जमीन मामले में काफी लंबा समय हो चुका है पर इस मामले में अभी तक अंदरूनी जांच ही हुई है कार्यवाही होगी या नहीं होगी इसका सबको इंतजार है, वही मानना यह है कि जिस प्रकार से कछुए की चाल में जांच कार्यवाही चल रही है कहीं इस मामले को लंबा खींचकर जमीन दोज करने का तो इरादा नहीं है ? वैसे उम्मीद जताई जा रही है कि सरगुजा के कलेक्टर काफी निष्पक्ष है और उनसे कार्रवाई की उम्मीद की जा सकती है पर देखना यह है कि क्या 14 मार्च के बाद इस पर एफआईआर की कार्यवाही होगी या फिर सही तरीके से शासकीय भूमि अनेवेदकों को के नाम चढ़ी है इसका खुलासा होगा?

शासकीय भूमि क्षति के मामले में हो सकती है बड़ी कार्यवाही,कलेक्टर सरगुजा ने मामले में अनावेदक बंसू सहित 8 अनावेदकों को किया जवाब तलब

क्या अनावेदक सही दस्तावेज के साथ अपना पक्ष रख पाएंगे...या मामले को खींचने का यह है नयाब तरीका ?

-भूपेन्द्र सिंह-
अंबिकापुर,11 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

अंबिकापुर शहर का बहुत चर्चित राजमोहिनी शासकीय भूमि का मामला अभी ठंडा नहीं पड़ा है लगातार इस मामले को लेकर दैनिक घटती-घटना ने खबर प्रकाशन किया था और शासकीय भूमि को बचाने की मुहिम छेड़ी थी,इसके बाद इस मामले में कलेक्टर सरगुजा ने संज्ञान लेकर मामले को अपने न्यायालय में प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की प्रक्रिया शुरू की है, शासकीय रिकॉर्ड में यह शासकीय भूमि है और आखिरी निजी कैसे हुई इसकी जांच अब शुरू हो गई है जिसे लेकर सरगुजा कलेक्टर ने बंसू को राजस्व न्यायालय में तलब किया है,भूमि कैसे उनके नाम हुई इन सब सारे दस्तावेजों की जांच होगी अब देखना यह है कि अनावेदकगण अपना दस्तावेज व पक्ष कितना मजबूत रखते हैं। मिली जानकारी के अनुसार कलेक्टर सरगुजा ने शासकीय भूमि के क्षति के

मामले में बड़ी कार्यवाही करते हुए अनावेदक बंसू सहित 8 अनावेदकों को कलेक्टर न्यायालय में उपस्थित होकर जवाब प्रस्तुत करने कहा है। गौरतलब है कि तहसीलदार (नजूल) अम्बिकापुर एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अम्बिकापुर द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के अनुसार नमनाकला, अम्बिकापुर स्थित शासकीय नजूल भू-खण्ड क्रमांक 243/1 रकबा 1.710 हे. (4.22 एकड़) भूमि सरगुजा सेटलमेंट मे गोचर मद की भूमि है, जिसे अनियमित पट्टा और विधिक प्रावधानों के विपरीत अनावेदक बंसू द्वारा अपने नाम पर कराते हुये उक्त शासकीय नजूल भूमि में से कई व्यक्तियों को विक्रय कर दिया गया है। जिसमें अनावेदक सतीश शर्मा, सन्मोगर वारियर, अभिषेक नागदेव, शेखर अग्रवाल, सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल, अनुषा नागदेव, महेश कुमार केडिया और दिनेश कुमार शामिल हैं। इससे शासन के भूमि का गबन हुआ है जिसमें नजूल विभाग के कई बड़े अधिकारी सहित कई कर्मचारी की महत्वपूर्ण भूमिका है जिन पर आवेदक के द्वारा एफआईआर दर्ज कर कड़ी कार्यवाही की मांग की गई है।

अम्बिकापुर स्टेशन में स्थापित एक स्टेशन एक उत्पाद स्टॉल व कोचिंग मेंटेनेंस पिट लाइन का हुआ शिलान्यास

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ सहित पूरे भारत में रेल अधोसंरचना के उन्नयन हेतु भारतीय रेल प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। वर्तमान में छत्तीसगढ़ में 36,968 करोड़ रुपए से अधिक की रेलवे परियोजनाएं प्रगति पर है। इस वर्ष बजट में छत्तीसगढ़ राज्य को 6896 करोड़ रुपए का आबंटन प्राप्त हुआ है। देश में रेल विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों में एक और महत्वपूर्ण कड़ी 12 मार्च 2024 को जुड़ेगी जब देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 85 हजार करोड़ रुपए से अधिक की एक स्टेशन एक उत्पाद स्टालों, प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्रों एवं तीसरी व चौथी लाइन से सम्बंधित कार्यों का शिलान्यास, उद्घाटन करेंगे। इस क्रम में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के अकलतरा, बिलासपुर रायगढ़, चांपा, कोरबा,जांजगीर-नैला, उसलापुर, पेंड्रारोड, अनूपपुर, शहडोल, बुढ़ार, विश्रामपुर, सक्ति व अम्बिकापुर स्टेशनों में स्थापित एक स्टेशन एक उत्पाद स्टॉलों, जांजगीर-नैला व पेंड्रारोड स्टेशन में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केन्द्रों, बिलासपुर-झारसुगुड़ा चौथी लाइन परियोजना के अंतर्गत विभिन्न सेक्शनों में नवनिर्मित चौथी लाइन, अनूपपुर-कटनी तीसरी लाइन परियोजना के अंतर्गत विभिन्न सेक्शनों में नवनिर्मित तीसरी लाइन, बिलासपुर स्टेशन में कोच रेस्टोरेन्ट, वंदे भारत ट्रेन के मेंटेनेंस के लिए अपग्रेटेड पिट लाइन तथा अम्बिकापुर स्टेशन में कोचिंग मेंटेनेंस पिट लाइन का लोकार्पण, शिलान्यास किया जाएगा। इस अवसर पर अम्बिकापुर स्टेशन में एक स्टेशन एक उत्पाद स्टॉल तथा कोचिंग मेंटेनेंस पिट लाइन का लोकार्पण कार्य भी शामिल है । अम्बिकापुर स्टेशन में आयोजित गरिमामय कार्यक्रम में स्थानीय विधायक, जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य जनता, रेलवे के अधिकारी व रेलकर्मी उपस्थित रहेंगे ।

चालक को नशीले पदार्थ खिलाने के बाद प्लास्टिक का कट्टा सटाकर बदमाशों ने लूट लिए थे स्कार्पियो,तीन गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

चालक को नशीले पदार्थ खिलाकर स्कार्पियो व मोबाइल लूटने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपियों के कब्जे से लूटे गए स्कार्पियो, मोबाइल बरामद किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

पुलिस के अनुसार शहबान अली सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम डुरमा केसला का रहने वाला है। वह गांव के ही बीआर पैकरा का स्कार्पियो चलाने का काम करता है। 1 मार्च को वाहन के साथ सीतापुर में खड़ा था। तभी दो अज्ञात व्यक्ति उसके पास पहुंचे और कहे की हमलोग ग्राम चलता में न्यायालय निर्माण का काम करवा रहे हैं और हम लोग मैनपाट घुमने के लिए स्कार्पियो बुकिंग करना चाहते हैं। इस पर चालक ने वाहन मालिक से बात कर जाने के लिए तैयार हो गया। सबसे पहले दोनों व्यक्ति स्कार्पियो से उल्टापानी गए। यहां एक और युवक बाइक से पहुंच गया। यहां तीनों युवकों ने शराब पी। इसके बाद बाइक मैनपाट स्थित पेट्रोलपंप पर ही छोड़कर तीनों स्कार्पियो से अनमोल रिसोर्ट गए और वहां

खाना खाया था। इसके बाद तीनों दलदली ले गए। यहां तीनों युवकों ने चालक को जबरन नशे की गई गोलियां खिलकर चाय पिला दिया। इसके बाद रास्ते में लघुशंका के लिए वाहन को रूकवाया और स्कार्पियो में बैठा एक व्यक्ति ने कट्टानुमा खिलौना सटाकर चालक का हाथ-पैर बांध दिया। इस दौरान विरोध करने में पर उसके साथ मारपीट कर वाहन के पीछे बैठा दिया था। इसके बाद बदमाशों ने लखनपुर थाना क्षेत्र के केवरा जंगल में उसे सड़क पर फेंककर स्कार्पियो व उसका मोबाइल लूटकर फरार हो गए थे। बेहोशी की हालत में चालक किसी तरह बंधे हाथ-पैर को खोला। इसके बाद वह घटना की जानकारी परिजन को दी। परिजन मौके पर पहुंचे और मामले की रिपोर्ट कमलेश्वरपुर थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस ने घटना के बाद आरोपियों की तलाशी शुरू कर दी थी। पुलिस ने साइबर सेल की मदद से आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए रिवां पहुंची। यहां पुलिस ने अमित दुबे उम्र 28 वर्ष निवासी जागृति कॉलोनी, आचार्य विनोबा भावे वार्ड मुरवारा कटनी थाना कोतवाली कटनी मध्यप्रदेश, प्रसून्न मिश्रा उम्र 22 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 15 वियर पम्प हाउस संजय नगर रीवा जिला रीवा मध्यप्रदेश व सोमनाथ टोप्पो उम्र 37 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 3 टंकीपारा मनेन्द्रगढ़ जिला एमसीबी गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ धारा 406, 342, 328, 394 के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में लखनपुर थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज प्रजापति, उप निरीक्षक भूपेश सिंह, सहायक उप निरीक्षक डेविड मिंज, सहायक उप निरीक्षक विवेक पाण्डेय, प्रधान आरक्षक सुधीर सिंह, आरक्षक सत्येंद्र दुबे,अमित विश्वकर्मा, संजीव चौबे, विकाश सिंह, राहुल सिंह परवेज फिरदौशी, देवदत्त सिंह शामिल रहे।

रीवा में छिपाकर रखे थे स्कार्पियो

गिरफ्तार आरोपियों ने पुलिस को बताया कि खिलौनानुमा प्लास्टिक कट्टा से अपराध करने की बात स्वीकार की है। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपियों ने वाहन लूटकर मनेन्द्रगढ़ होते हुए रीवा की ओर फरार हो गए थे और लूटे गए वाहन और मोबाइल को रीवा मध्यप्रदेश स्थित आरोपी प्रसून्न मिश्रा के किराये के रूम में छिपाकर रखा था। जिसेस पुलिस ने जब्त किया है। वहीं पुलिस ने आरोपियों से घटना में प्रयुक्त 3 नग मोबाइल एवं खिलौनानुमा प्लास्टिक कट्टा बरामद किया है।

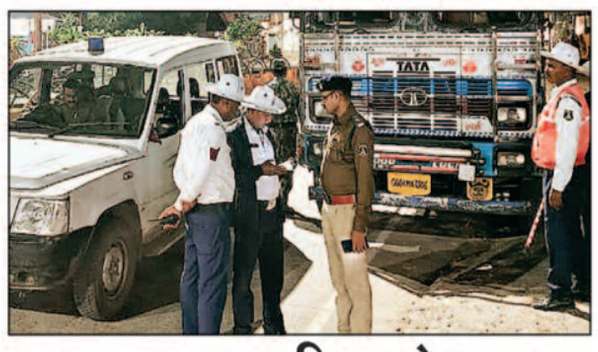

सडक़ सुरक्षा अभियान के तहत कार्रवाई जारी वसूले गए समन शुल्क

-संवाददाता-
अंबिकापुर 11 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

सडक़ सुरक्षा अभियान के तहत रविवार को पुलिस द्वारा रिंग रोड में खड़े भारी वाहनों के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्रवाई की गई। 19 वहान चालकों से 23 हजार 50 रुपए की चलानी कार्रवाई की गई। साथ ही यातायात के नियमों की अवहेलना करने वाले 73 वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई कर 54 हजार 700 रुपये की चालानी कार्रवाई की गई है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुपलेश कुमार को दी गई विदाई

-संवाददाता-
अंबिकापुर,11 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुपलेश कुमार को एंटी करप्शन ब्यूरो रायपुर में पदस्थापना दिया गया है। जिन्हें सोमवार को विदाई दी गई। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सरगुजा जिले में मेरा कुछ ही महीने का कार्यकाल रहा, लेकिन सभी पक्षों का लगातार सहयोग प्राप्त हुआ है। आगे भी आशा करता हूं कि आप सभी का निरंतर सहयोग प्राप्त होता रहेगा। कार्यक्रम में सभी पुलिस अधिकारी, कर्मचारियों द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया साथ ही मोमेंटो देकर आगामी सेवाओं के लिए शुभकामनाएं प्रदान की गई।

224 समंस,119 जमानती वारंट,2 गिरफ्तारी वारंट,4 स्थाई वारंट की की गई तमिली

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा जिला मुख्यालय समेत समस्त थाना-चौकी में लंबित समंस, जमानतीय वारंट, गिरफ्तारी वारंट एवं स्थाई वारंट की तमिली हेतु रविवार को अभियान चलाकर अधिक से अधिक समंस एवं वारंटों की तमिली की गई है। अभियान के तहत थाना कोतवाली द्वारा 4 स्थाई वारंट, 5 जमानतीय वारंट, 14 समंस, तमिल किया गया, थाना गांधीनगर द्वारा 24 जमानतीय वारंट एवं 26 समंस तमिल किया गया। थाना मणीपुर द्वारा 3 जमानतीय वारंट, 36 समंस, थाना लखनपुर द्वारा 2 गिरफ्तारी वारंट 19 जमानतीय वारंट, 24 समंस, थाना लुन्ड्रा द्वारा 4 जमानतीय वारंट एवं 8 समंस, थाना उदयपुर द्वारा 8 जमानतीय वारंट एवं 23 समंस, थाना धौरपुर द्वारा 3 जमानतीय वारंट एवं 2 समंस, थाना बतौली 17 जमानतीय वारंट, 28 समंस, थाना सीतापुर द्वारा 20 जमानतीय वारंट एवं 30 समंस, थाना कमलेश्वरपुर द्वारा 6 जमानतीय वारंट एवं 9 समंस, थाना अजाक द्वारा 2 जमानतीय वारंट एवं 1 समंस, चौकी रघुनाथपुर द्वारा 6 जमानतीय वारंट एवं 14 समंस, चौकी कुन्नी द्वारा 5 समंस, चौकी केदमा द्वारा 3 समंस, चौकी केरजू द्वारा 2 जमानतीय वारंट एवं 1 समंस तामिल किया गया है। अभियान के तहत कुल 224 समंस, 119 जमानतीय वारंट, 2 गिरफ्तारी वारंट एवं 4 स्थाई वारंट तमिल किया गया है। सरगुजा पुलिस का यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

प्रेरणादायक काहानियों से अध्यात्म से जुडने की दी गई जानकारी

-संवाददाता-
अंबिकापुर,11 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

वसुधा महिला मंच द्वारा कल्याणपुर में महिला दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रमुख रूप से ब्रम्हाकुमारी प्रमुख विद्या दीदी व अधिवक्ता आशा जायसवाल मुख्य रूप से उपस्थित थे। इस दौरान महिलाओं ने स्वागत गीत व कविता की प्रस्तुति दीं। विद्या बहन ने महिलाओं को छोटी-छोटी प्रेरणादायक काहानियों से अध्यात्म से जुडने और बड़ों के सम्मान के लिए लोगों को जागरुक किया। आशा जायसवल ने महिलाओं को मिलने वाले अधिकार के बारे में बताया। डॉ. पुष्पा सोनी ने महिलाओं को शुभकामनाएं दी एव स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी। परियोजना अधिकारी सरिता ने महिला बालविकास की योजनाओं से महिलाओं को अवगत कराया। मंच की संयोजिका वन्दना दत्ता ने महिला दिवस क्यों मनाया जाता है इस पर चर्चा की तथा आगामी लोकसभा चुनाव में अपने मतों का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। वसुधा मंच का आगामी कार्यक्रम 13 अप्रैल को चैत्र नवरात्र के पंचमी पर दुर्गा मंदिर में देवी जस गीत का आयोजन किया जाएगा।

CMYK

हथियार खरीदने वाला दुनिया का सबसे बड़ा देश बना भारत,स्वीडन के थिंक टैंक की रिपोर्ट में खुलासा

लंदन,11 मार्च 2024। भारत दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक बना हुआ है। 2014-2018 की तुलना में 2019-2023 में इसके आयात में 4.7 फीसदी की वृद्धि हुई। स्वीडन के थिंक टैंक सिपरी ने सोमवार को एक नई रिपोर्ट में यह दावा किया।

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) ने कहा, रूस भारत का मुख्य हथियार आपूर्तिकर्ता बना हुआ है। हालांकि, 1960-64 के बाद (सोवियत संघ के विघटन से पहले) यह पहली बार है जब भारत के हथियार आयात में रूस की हिस्सेदारी में 50 फीसदी की कमी आई है।

थिंक टैंक ने कहा, भारत दुनिया का शीर्ष हथियार आयातक देश बना हुआ है। इसका हथियार आयात 2014-2018 की तुलना में 2019-2023 में 4.7 फीसदी बढ़ा है। रिपोर्ट में कहा गया, हालांकि रूस अभी भी भारत का मुख्य हथियार आपूर्तिकर्ता (इसके हथियारों के आयात का 36 फीसदी हिस्सा) बना हुआ है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान ने भी अपने हथियार आयात में (43 फीसदी) काफी वृद्धि की है। इसमें कहा गया है कि पाकिस्तान 2019-23 में पांचवां सबसे बड़ा हथियार आयातक था। चीन इसके मुख्य हथियार आपर्तिकर्ता था। जो उसके हथियार आयात का 82 फीसदी बनाता है। वहीं, जापान (155 फीसदी) और दक्षिण कोरिया (6.5 फीसदी) का भी हथियारों का आयात बढ़ा है।

चीन के हथियारों के आयात में 44 फीसदी की कमी आई है। उसने अपने आयातित हथियारों को स्वदेशी रूप से विकसित हथियार प्रणालियों से बदलने का प्रयास किया है।

रिपोर्ट में कहा गया कि सऊदी अरब 2019-2023 के बीच दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा हथियार आयातक था। उसने इस अवधि में वैश्विक हथियारों का आयात 8.4 फीसदी बढ़ाया। 2019-2023 के बीच सऊदी अरब के हथियारों के आयात में 28 फीसदी की गिरावट आई। लेकिन 2014-18 में यह रिकॉर्ड स्तर पर था।

रिपोर्ट के मुताबिक, कतर ने 2014-18 की तुलना में 2019-23 में अपने हथियारों के आयात करीब चार गुना (396 फीसदी) की वृद्धि की। जिससे यह 2019-23 में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा हथियार आयातक बन गया।

राष्ट्रपति जरदारी ने शहबाज कैबिनेट के लिए 19 नेताओं को दिलाई शपथ

इस्लामाबाद, 11 मार्च 2024। पाकिस्तान में राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने शहबाज शरीफ की कैबिनेट के लिए 19 मंत्रियों को शपथ दिलाई है। सोमवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री शरीफ सहित अन्य लोग शामिल हुए। हालांकि नए मंत्रियों के पोर्टफोलियो की घोषणा अभी नही की गई है। इससे पहले, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कैबिनेट के लिए 19 नामों की सिफारिश की थी। पीएम शहबाज शरीफ ने राष्ट्रपति जरदारी को इस बाबत पत्र लिखा था। साथ ही शपथ ग्रहण के बाद ही पहली कैबिनेट बैठक भी आयोजित की जाएगी।

जिन लोगों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई है उनमें इशाक डार, ख्वाजा आसिफ, अहसान इकबाल, मुहम्मद औरंगजेब, आजम तरार, राणा तनवीर, मोहसिन नकवी, अहद चीमा, खालिद मकबूल सिद्दीकी, रियाज प्रिजादा,कैसर शेख,शजा फातिमा, अलीम खान, जाम कमाल,अमीर मुकाम,अवैस लेघारी,अत्ता तरार, सालिक हुसैन और मुसद्दिक मलिक शामिल हैं। गौरतलब है कि इन मंत्रियों के पोर्टफोलियो का अभी एलान नहीं किया गया है, लेकिन संभावना जताई जा रही है कि मुहम्मद औरंगजेब को वित्त मंत्री, इशाक डार को विदेश मंत्री और ख्वाजा आसिफ को रक्षा मंत्री बनाया जा सकता है। वहीं, आजम तरार कानून मंत्री, अत्ता तरार सूचना मंत्री, मुसद्दिक मलिक पेट्रोलियम मंत्री, मोहसिन नकवी आंतरिक मंत्री और अहद चीमा कश्मीर मामलों के मंत्री बनाए जा सकते हैं। वहीं, मुहम्मद औरंगजेब, मोहसिन नकवी और अहद चीमा को सलाहकार के रूप में कैबिनेट में शामिल किया गया है। वहीं, शहबाज कैबिनेट में सिर्फ एक महिला शजा फातिमा को शामिल किया गया है। शपथ ग्रहण प्रधानमंत्री शरीफ द्वारा 19 नामों की सिफारिश करने के कुछ घंटों बाद हुआ, जिसके एक दिन बाद उन्होंने इस मामले पर अपने अंदरूनी नेताओं के साथ मैराथन बैठक की। शहबाज शरीफ की नई कैबिनेट में कई ऐसे भी नेता हैं, जो पिछली सरकार में भी शामिल थे। इनमें पूर्व रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ, पूर्व वित्त मंत्री इशाक डार, पूर्व योजना मंत्री अहसान इकबाल पूर्व कानून मंत्री आजम नजीर तरार और पूर्व पेट्रोलियम राज्य मंत्री मुसादिक मलिक शामिल हैं।

हैती में जारी गृह युद्ध के बीच अमेरिका ने अपने दूतावास से कुछ कर्मियों को वापस बुलाया

पोर्ट ऑ प्रिंस,11 मार्च 2024। हैती में बढ़ती हिंसा और आपातकाल की स्थिति के बीच अमेरिकी सेना ने वहा अपने दूतावास से कई कर्मियों को वापस बुलाने का अभियान चलाया। अमेरिका की तरफ से यह कदम हिंसा में वृद्धि, सरकार के लिए खतरा पैदा करने और बड़ी संख्या में विस्थापन को बढ़ावा देने के बाद उठाया गया है।

इससे पहले इसी महीने सशस्त्र गिरोह ने हैती के दो सबसे बड़े जेलों में जेल तोड़ने की साजिश रची थी। जिस वजह से हजारों की संख्या में कैदी जेल से फरार हो गए। सशस्त्र गिरोह ने इस दौरान अपने प्रधानमंत्री एरियल हेनरी के इस्तीफे की मांग भी की। हैती के पीएम देश छोड़कर भाग गए हैं और वे संयुक्त राष्ट्र समर्थित सुरक्षा बलों के हस्तक्षेप के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से गुहार लगा रहे हैं।

अमेरिकी दक्षिणी कमांड ने जारी किया बयान

अमेरिकी दक्षिणी कमांड ने यह स्पष्ट किया कि दूतावास के कर्मियों को वापस बुलाने का अभियान केवल दूतावास की सुरक्षा के अनुरूप चलाया गया है। उन्होंने कहा, दूतावास के अंदर और बाहर कर्मियों की यह एयरलिफ्ट दुनिया भर में दूतावास की सुरक्षा बढ़ाने के लिए हमारे मानक अभ्यास के अनुरूप है, और सैन्य विमान में कोई भी हैती का नागरिक नहीं था।

सुरक्षा कारणों से यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल ने भी हैती में अस्थाई रूप से अपनी उपस्थिति कम कर दी है। सूत्रों के अनुसार, जर्मनी और यूरोपीय संघ के दूतावास भी अपने कर्मचारियों को यहां से निकाल रहे हैं।

हैती में जारी है हिंसा

कैरिबियाई देश हैती में गृह युद्ध की हिंसा की आग में हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। देश में फैली इस हिंसा के कारण 362,000 हैती वासियों को विस्थापित होना पड़ा। सशस्त्र गिरोह देश की राजधानी पर कब्जा कर चुके हैं। वे राष्ट्रपति भवन समेत कई सरकारी इमारतों को निशाना बना रहे हैं। सड़कों पर गोलियां चल रही है। सशस्त्र गिरोह दुकानों और घरों में तोड़फोड़ कर रहे हैं, जिसके बाद हैती में 72 घंटों के लिए आपातकाल लगा दिया गया है।

सुबह 4 बजे औचक निरीक्षण पर जिला चिकित्सालय पहुंचे कलेक्टर

- स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लेकर कर विभिन्न वार्डों का किया निरीक्षण, मरीजों से सीधे बात कर व्यवस्थाओं पर लिया फीडबैक
- आमजन को उपलब्ध हों बेहतर सुविधाएं, लोगों को अधिक इन्तेजार ना करना पड़े, चिकित्सालय में होने होने वाली भीड़ को व्यवस्थित करें: कलेक्टर श्री भोस्कर

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

जिला चिकित्सालय में आमजन हेतु स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लेने कलेक्टर विलास भोस्कर सोमवार सुबह 4 बजे अचानक जिला चिकित्सालय पहुंचे। यहां उन्होंने ओपीडी, जनरल वार्ड, पुरुष एवं महिला वार्ड, लेबर कक्ष, एसएनसीयू, ऑपरेशन थिएटर, पंजीयन काउंटर, आईसीयू सहित अन्य वार्डों का निरीक्षण किया।

कलेक्टर श्री भोस्कर ने यहां ओपीडी में डॉक्टरों के साथ अन्य कर्मचारियों की उपस्थिति की जानकारी ली तथा निरीक्षण कर उपस्थिति रजिस्टर और ड्यूटी रोस्टर का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने भर्ती मरीजों से बात की और अस्पताल में मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी सीधे मरीजों से ली। मरीजों ने बताया कि अस्पताल के सभी चिकित्सक और नर्स का व्यवहार अच्छा है। इलाज की अच्छी व्यवस्था मिल रही है, समय पर दवाइयां एवं भोजन भी उपलब्ध हो जाता है। कलेक्टर श्री भोस्कर द्वारा चिकित्सालय में परिजनों की भीड़ को देख संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक तथा सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक को भीड़ नियंत्रण के संबंध में निर्देशित किया कि प्रत्येक मरीज के साथ कम से कम परिजन ही अस्पताल में रहे, ताकि बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करायी जा सकें एवं अव्यवस्था न हो। निरीक्षण के दौरान सभी आपातकालीन चिकित्सक एवं स्टाफ अपनी ड्यूटी पर उपस्थित मिले।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनांतर्गत 440 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में

- उत्साहपूर्ण और खुशहाल माहौल में हिन्दू,ईसाई एवं मुस्लिम रीतिरिवाज से सम्पन्न हुआ विवाह
- उपहार स्वरूप 21-21 हजार रुपए का दिया गया चेक एवं घरेलू सामग्री की गई प्रदान

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनान्तर्गत सोमवार को जिला मुख्यालय अम्बिकापुर के पीजी कॉलेज स्थित हॉकी स्टेडियम में सामूहिक विवाह कार्यक्रम संपन्न हुआ। सामूहिक विवाह में पूरे जिले के 440 जोड़ों ने परिणय सूत्र में बंधकर दाम्पत्य जीवन में प्रवेश किया। जिसमें 315 जोड़ों ने हिन्दू रीतिरिवाज, 123 जोड़ों ने ईसाई रीतिरिवाज तथा 02 जोड़ों ने मुस्लिम रीतिरिवाज से विवाह किया। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के सहयोग के लिए संचालित योजना के तहत आयोजित इस समारोह के दौरान वर वधू और परिजनों में खुशी की लहर रही।

इस अवसर पर अम्बिकापुर विधायक श्री राजेश अग्रवाल, लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मधु सिंह, पूर्व संसदीय सचिव श्री चिंतामणि महाराज, कलेक्टर विलास भोस्कर, स्थानीय जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी तथा आमजन मौजूद थे। अतिथियों द्वारा नवविवाहितों पर चावल एवं पुष्प की वर्षा कर उन्हें आशीर्वाद दिया गया एवं खुशहाल दाम्पत्य जीवन की शुभकामनाएं दीं गई। विवाह पश्चात नवदम्पतियों में प्रत्येक को 21-21 हजार रुपए का चेक एवं घरेलू सामग्री उपहार स्वरूप प्रदान की गई।

परिवारजनों ने बेटी के विवाह पर व्यक्त की खुशी,योजना के लिए मुख्यमंत्री का किया धन्यवाद

विकासखण्ड लुण्ड्रा की उर्मिला ने बड़ी ही प्रसन्नता से बताया कि आज उनकी पुत्री राधिका की शादी सामूहिक विवाह में सम्पन्न हुई है। राधिका के पिता का स्वर्गवास हो गया है और मैंने थोड़ी-बहुत खेती-किसानी करके तीन बच्चों को बड़ा किया है। मेरी सबसे बड़ी चिंता पुत्री का विवाह था और आज मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से पुत्री का विवाह धूमधाम से सम्पन्न हो गया। हम सब बहुत खुश हैं। रुक्मिला तिग्गा ने बताया कि गरीब परिवारों के लिए यह बहुत अच्छी योजना है, मेरे परिवारजनों ने मुख्यमंत्री विवाह योजना हेतु आवेदन किया था। आज यहां मेरा विवाह हुआ, मैं और मेरा पूरा परिवार बहुत खुश हैं। रोजी ने बताया कि मेरे घर वाले पहले विवाह को लेकर बहुत चिंता में थे, पर आज यहां मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत हमारा निकाह हुआ है। इसके लिए हम मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद देते हैं। योजना के तहत हमें 21 हजार रुपए का चेक एवं घरेलू सामान भी मिला है।

दो दिवसीय राज्य स्तरीय नवाचार,किसान मेला एवं प्रदर्शनी "अंकुरण" का कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने किया शुभारंभ

- प्रगतिशील और नवाचारी किसानों को किया गया सम्मानित

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग, आदिम जाति विकास, अनुसूचित जाति विकास, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम ने सोमवार को राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, अंबिकापुर, में दो दिवसीय राज्य स्तरीय नवाचार, किसान मेला एवं प्रदर्शनी ''अंकुरण'' का शुभारंभ किया। यह किसान मेला एवं प्रदर्शनी राज्य शासन के कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर, राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, अंबिकापुर, छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद रायपुर, छत्तीसगढ़ जैव प्रौद्योगिकी प्रोन्नत सोसायटी एवं नाबार्ड के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया जा रहा है।

मुख्य अतिथि श्री नेताम ने इस अवसर पर किसान भाई बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा किसानों के हित के लगातार निर्णय लिए गए हैं जिससे अन्नदाता किसानों की समृद्धि के साथ प्रदेश और देश की उन्नति हो। उन्होंने कहा कि दो दिवसीय कार्यक्रम में नवाचार, किसान मेला, और प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। जहां इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के अंतर्गत संचालित विभिन्न कृषि महाविद्यालयों, कृषि विज्ञान केन्द्रों तथा अन्य इकाईयों द्वारा किसानों के लिए किये जा रहे नवीन अनुसंधान, प्रौद्योगिकी तथा नवाचारों का प्रदर्शन किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि आईजीकेवी ने अनुसंधान कर धान की उन्नत किस्में तैयार की और किसानों तक उसकी जानकारी पहुंचाई। आज उन्नत तकनीक के इस्तेमाल से फसलों के जर्मिनेशन के प्रतिशत में इजाफा हुआ है। पहले धान केवल खाने के लिए उगाया जाता था, पर अब व्यापार के लिए भी धान उत्पादन किया जा रहा है। सरकार के द्वारा 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी का निर्णय लिया गया है। शासन द्वारा नवीन तकनीकों का इस्तेमाल करने कृषकों को प्रोत्साहित किया जा रहा है जिससे उत्पादन बढ़े।

विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल, हितग्राहियों को सामग्री वितरण

शुभारंभ समारोह में मंत्री श्री नेताम ने मंच से पांच प्रगतिशील किसानों को अंकुरण किसान किट का वितरण किया। इसके साथ ही किसान मेला में मौजूद 1000 किसानों को अंकुरण किसान किट का वितरण किया गया। उन्होंने राज्य शासन के कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन एवं कृषि अभियांत्रिकी विभागों द्वारा संचालित किसान कल्याणकारी योजनाओं एवं गतिविधियों को प्रदर्शित करते स्टॉल का अवलोकन किया। विभागीय स्टॉल सहित यहां नाबार्ड द्वारा प्रायोजित कृषि उत्पादक समूहों तथा महिला स्वा-सहायता समूहों द्वारा उत्पादित सामग्रियों एवं ड्रोन तकनीकों का प्रदर्शन भी किया गया है। इस दौरान छत्तीसगढ़ जैव प्रौद्योगिकी प्रौन्नत सोसायटी द्वारा किसानों को वर्मी कम्पोस्ट तथा भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ाने में उपयोगी एजोस्पाइरीलम, पी.एस.बी. राइजोबियम एवं जेड.एस.बी. तरल जैव उर्वरकों को निःशुल्क वितरण किया गया। किसान मेले के शुभारम्भ समारोह में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलसचिव जी. के. निर्माम, संचालक अनुसंधान डॉ विवेक त्रिपाठी, संचालक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ. एस. एस. टुटेजा, निदेशक विस्तार डॉ. अजय वर्मा, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस. के. सिन्हा सहित कृषि विश्वविद्यालय के वरिष्ठ पदाधिकारी के साथ-साथ कृषि विज्ञान केन्द्रों के प्रमुख, वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक के साथ प्रगतिशील कृषक एवं नवाचारी उद्यमी उपस्थित थे प् कार्यक्रम का संचालन डॉ. अरुण त्रिपाठी ने किया।

बेहतर उत्पादन हासिल करने किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों से जोड़ने शासन प्रयासरत, नवीन अनुसंधानों और नवाचारों को अपनाएं : कृषि मंत्री नेताम

क्या खबर से तत्कालीन प्रभारी डीपीएम कोरिया व उनकी पत्नी के नर्सिंग इंस्टीट्यूट की छवि हुई खराब या पहले से ही इनकी छवि थी खराब?

पति-पत्नी दोनों ने पत्रकार को भेजा लीगल नोटिस और लगाया अवैध धन मांग का आरोप

ए.सी.ए.-01/नोटिस(हिन्दी)/फेब./2024 दिनांक-16.02.2024

विधिक सूचना दिनांक-16.02.2024 का हिन्दी अनुवाद

द्वारा :

डॉ. प्रिंस जायसवाल,
जिला (आर.एम.एन.सी.एच.+ए.) सलाहकार एवं प्रभारी डी.पी.एम.,
कार्यालय-मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (एन.एच.एम.),
बैकुण्ठपुर, जिला-कोरिया (छ.ग.)

प्रति,

1. रवि सिंह,
पत्रकार, दैनिक समाचार पत्र घटती-घटना,
कोरिया-एम.सी.बी.-सूरजपुर समाचार, मुख्य कार्यालय-अंबिकापुर,
निवासी-कटकोना कॉलरी, थाना-पटना, जिला-कोरिया (छ.ग.)
मोबाइल नं. 94242-63169

2. अविनाश सिंह,
संपादक, दैनिक समाचार पत्र घटती-घटना,
कोरिया-एम.सी.बी.-सूरजपुर समाचार, मुख्य कार्यालय-अंबिकापुर,
पता-पावर हाउस रोड, नमनाकला, अंबिकापुर,
जिला-सरगुजा (छ.ग.), मोबाइल नं. 98265-32611

विषय- आपके द्वारा दैनिक समाचार पत्र 'घटती-घटना', कोरिया-एम.सी.बी.-सूरजपुर समाचार, में, डॉ. प्रिंस जायसवाल द्वारा भ्रष्टाचार किए जाने एवं उनके द्वारा विभिन्न कार्यों में अपने प्रशासनिक एवं राजनैतिक पहुंच का उपयोग किये जाने के संबंध में, प्रकाशित झूठी एवं भ्रामक समाचार से डा. प्रिंस जायसवाल की सामाजिक रूप से एवं शासकीय संस्थानों में छवि खराब होने के संबंध में।

संदर्भ- दैनिक समाचार पत्र 'घटती-घटना', कोरिया-एम.सी.बी.-सूरजपुर समाचार, में आपके द्वारा डॉ. प्रिंस जायसवाल के संबंधित प्रकाशित विभिन्न समाचार दिनांक-30.01.2024 से 15.02.2024 एवं सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर प्रकाशित विभिन्न समाचार, आपको पूर्व में अंग्रेजी मे भेजी गयी नोटिस दिनांक-16.02.2024 तथा आपका पत्र कमांक. जी.जी./क्यू/2024, दिनाक-22.02.2024।

मैं, अभिषेक चौबे, अधिवक्ता, अपने पक्षकार डॉ. प्रिंस जायसवाल, जिला (आर.एम.एन.सी.एच.+ए.) सलाहकार एवं प्रभारी डी.पी.एम., कार्यालय-मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (एन.एच.एम.), बैकुण्ठपुर, जिला-कोरिया (छ.ग.), की ओर से निर्देशित होकर निम्न नोटिस आपको प्रेषित करता हूं:-

1. यह कि, मेरे उपरोक्त पक्षकार छ.ग. राज्य शासन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग मे एक अधिकारी है और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन योजना अंतर्गत कार्य कर रहे हैं और अपने कर्तव्यों का पालन अपने पूर्ण क्षमता, योग्यता एवं ईमानदारी से कर रहे है, तथा पूरी सेवा अवधि के दौरान किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार आदि का आरोप उनके विरूद्ध नहीं है।

इतनी ही छवि उनकी अच्छी है तो फिर स्थानांतरण आदेश का क्यों नहीं कर रहे पालन?

2. यह कि, मेरे उपरोक्त पक्षकार से मिलकर आपलोगों ने उनसे अवैध धन की मांग की, नही देने पर उनके एवं उनकी पत्नि से संबंधित संस्थान के बारे में विपरीत समाचार, दैनिक समाचार पत्र एवं अन्य मीडिया चैनल पर प्रकाशित किये जाने की बात कही गयी तथा जब उन्होने मांग पूरा करने से मना कर दिया तब आपके द्वारा लगातार अपने समाचार पत्र 'घटती-घटना', कोरिया-एम.सी.बी.-सूरजपुर समाचार, एवं सोशल मीडिया प्लेटफार्म मे मेरे उपरोक्त पक्षकार की सामाजिक एवं शासकीय विभागों मे छवि खराब करने के उद्देश्य से यह झूठी एवं गलत समाचार प्रकाशित किया गया कि मेरे उपरोक्त पक्षकार भ्रष्टाचार मे संलिप्त है तथा अपने प्रशासनिक एवं राजनैतिक पहुंच के कारण अवैध कार्य कर रहे है। इस प्रकार दैनिक समाचार पत्र 'घटती-घटना', कोरिया-एम.सी.बी.-सूरजपुर समाचार, मे अविनाश सिंह द्वारा अनुमोदित एवं रवि सिंह द्वारा प्रकाशित कुछ समाचारों की प्रति संलग्न।

3. यह कि, जो मेरे उपरोक्त पक्षकार से संबंधित जो समाचार, दैनिक समाचार पत्र 'घटती-घटना', कोरिया-एम.सी.बी.-सूरजपुर समाचार, में प्रकाशित हुए थे, वह अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर भी प्रकाशित एवं प्रचारित हुआ। परंतु उक्त समाचार से यह स्पष्ट नहीं है कि, मेरे पक्षकार से संबंधित प्रकाशित समाचार मे उनके विरूद्ध लगाये गये आरोप का आधार या साक्ष्य क्या है। यहाँ यह उल्लेख करना आवश्यक होगा कि आपके द्वारा प्रकाशित समाचार में कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, कोरिया एवं मेरे उपरोक्त पक्षकार के विरूद्ध लगाये गये भ्रष्टाचार के संबंध में पूर्व मे ही शिकायत एक अन्य पत्रकार श्री चंद्रकांत पारगीर के द्वारा की गयी थी तथा जिसका प्रकाशन एवं प्रचार सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर किया गया था, जिस पर सक्षम प्राधिकारियों द्वारा जांच की जा चुकी है जिसमे शिकायत/आरोप अप्रमाणित पाये गये थे, इसलिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, कोरिया द्वारा श्री चंद्रकांत पारगीर के विरूद्ध मानहानि का प्रकरण सक्षम न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है जो वर्तमान में लंबित है।

4. यह कि, दैनिक समाचार पत्र 'घटती-घटना', कोरिया-एम.सी.बी.-सूरजपुर समाचार, में मेरे पक्षकार के विरूद्ध उपरोक्त झूठे एवं गलत समाचार आपके द्वारा बारंबार प्रकाशित किये जाने के पश्चात् उक्त झूठे एवं गलत समाचार सोशल मीडिया एवं अन्य तरीके से भी प्रचारित हुये जिससे मेरे पक्षकार की सामाजिक प्रतिष्ठा समाज एवं शासकीय संस्थानों मे खराब हुई। अतः यह नोटिस इस कथन के साथ कि आपके पास मेरे उपरोक्त पक्षकार के विरूद्ध दैनिक समाचार पत्र 'घटती-घटना', कोरिया-एम.सी.बी.-सूरजपुर समाचार, मे आपके द्वारा बारंबार प्रकाशित किये जा रहे समाचारों के माध्यम से लगाये गये आरोप के संबंध मे यदि कोई दस्तावेजी या अन्य साक्ष्य हों तो उसे मेरे या मेरे पक्षकार के समक्ष इस नोटिस प्राप्ति के 5 दिनों के अंदर प्रस्तुत करें, परंतु उक्त समयावधि मे संबंधित दस्तावेजी या अन्य साक्ष्य प्रस्तुत करने में असफल रहने पर मेरे पक्षकार के विरूद्ध उपरोक्त समाचारों के माध्यम से लगाये गये आरोपों के खण्डन का प्रकाशन अपने दैनिक समाचार पत्र 'घटती-घटना', कोरिया-एम.सी.बी.-सूरजपुर समाचार, मे करें तथा सार्वजनिक रूप से उपरोक्त झूठे एवं गलत समाचार के प्रकाशन हेतु मेरे पक्षकार से माफी मांगे, अन्यथा मेरे उपरोक्त पक्षकार के द्वारा आपलोगों के विरूद्ध सक्षम न्यायालय मे उचित वाद प्रस्तुत किया जायेगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी आपलोगों की होगी।

यदि ऐसा अवसर आता है और मेरा उपरोक्त पक्षकार आप लोगों के विरूद्ध कोई शिकायत/मामला/वाद/याचिका प्रस्तुत करता है या फिर अन्य आवश्यक कार्यवाही करता है तो आप लोग जिम्मेदार होंगे और आप मेरे उपरोक्त पक्षकार के द्वारा किये गए समस्त खर्च का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी होंगे। आप लोगों को इस नोटिस के खर्च के रूप मे 15,000/-रूपये का भुगतान भी करना होगा।

Scanned with CamScanner

क्या अपने अधिवक्ता को भी दी गलत जानकारी कि नहीं है उनके खिलाफ कोई शिकायत?

इस नोटिस की एक प्रति आप दोनों को आपके व्हाट्सएप नंबर 94242-63169 एवं 98265-32611 पर व्हासएप संदेश के माध्यम से भी भेजी जा रही है और इस नोटिस की एक प्रति आगे की कार्यवाही हेतु मेरे कार्यालय मे भी सुरक्षित है।

बिलासपुर, छ.ग.।
दिनांक:- 16.02.2024

(अभिषेक चौबे)
अधिवक्ता

अतिरिक्त/विशेष कथन-आपके पत्र कमांक. जी.जी./क्यू/2024, दिनाक-22.02.2024 के तारतम्य मे उपरोक्त नोटिस आपको हिन्दी मे भेजी जा रही है परंतु पूर्व मे अंग्रेजी मे भेजी गयी नोटिस प्राप्ति के पश्चात् उसमे उल्लेखित लगभग समस्त कथनों का प्रकाशन आपके द्वारा दैनिक समाचार पत्र 'घटती-घटना', कोरिया-एम.सी.बी.-सूरजपुर समाचार, मे इस आशय के साथ किया गया है कि मेरे पक्षकार ने आपको अंग्रेजी मे नोटिस भेजकर कोई अपराध कर दिया हो। इससे प्रतीत होता है कि आप लोग पूर्व मे दिये गए नोटिस मे उल्लेखित समस्त कथनों को पूर्ण रूप से जानते एवं समझते है तथा इसका जवाब देने की योग्यता भी रखते हैं, परंतु जानबूझकर आपलोगो के द्वारा जवाब न देकर अंग्रेजी मे नोटिस दिये जाने का बहाना बनाया जाना प्रतीत होता है तथा दिये गये नोटिस को भी मेरे पक्षकार के विरूद्ध एक समाचार बनाकर इसका प्रकाशन अपने उपरोक्त समाचार पत्र मे किया गया जिससे स्पष्ट है कि पत्रकारिता के तहत आपलोगों को मिले अधिकार का प्रयोग आप मेरे पक्षकार के विरूद्ध अपना व्यक्तिगत हित साधने तथा मेरे पक्षकार की छवि को खराब करने के लिये लगातार कर रहे है जो अपराध की श्रेणी मे आता है। इस प्रकार आपलोगो की नीयत मेरे उपरोक्त पक्षकार से धन वसूल करना है एवं धन नहीं मिलने की स्थिति मे उन्हे परेशान एवं उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा को खराब करना है, क्योंकि यह स्पष्ट है कि आप लोगों के पास मेरे उपरोक्त पक्षकार के विरूद्ध प्रकाशित किये गये झूठे समाचारों की सत्यता साबित करने हेतु कोई दस्तावेजी या अन्य साक्ष्य नहीं है। फिर भी आपके निवेदन पर यह नोटिस हिन्दी में आपको प्रेषित है तथा भाषा/शब्द संबंधी किसी भी भ्रम अथवा विवाद की स्थिति में अंग्रेजी नोटिस के कथन मान्य होंगे।

बिलासपुर, छ.ग.।
दिनांक:- 09.03.2024

(अभिषेक चौबे)
अधिवक्ता

अपने ही अधिवक्ता को क्यों दे रहे गलत जानकारी प्रभारी डीपीएम कोरिया की नहीं है उनके विरुद्ध कोई शिकायत,जबकि है कई शिकायत

कोरिया जिले के प्रभारी डीपीएम ने लगता है अपने ही अधिवक्ता को गलत जानकारी दे डाली है जिसकी वजह से उनके अधिवक्ता ने भी पत्रकार को भेजे नोटिस में यह उल्लेखित किया है की डीपीएम की छवि विभाग में बेदाग है और उनकी कभी कोई शिकायत नहीं हुई है। वैसे प्रभारी डीपीएम की एक नहीं कई शिकायतें हैं जिन्हे वह अपने अधिवक्ता को बताना भूल गए हैं। अब अधिवक्ता के माध्यम से भेजे गए कानूनी नोटिस में वह पत्रकार से और संपादक से साक्ष्य की मांग भी कर रहे हैं। वैसे सिविल सर्जन का पत्र जो उनके लिए ही लिखा था जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन कोरिया ने और उसका एक एक शब्द कितना मान बढ़ाने वाला था डीपीएम कोरिया का पत्र पढ़कर समझा जा सकता है। सिविल सर्जन ने तो पत्र में यह तक लिखा था की बिना अनुमति या आवश्यक कार्य डीपीएम जिला चिकित्सालय में प्रवेश ही न करें और आवश्यक होने पर वह अनुमति लेकर ही प्रवेश का प्रयास करें।

स्थानांतरण आदेश का भी डीपीएम नहीं कर रहे पालन, क्या यही है उनकी अच्छी छवि जो खराब हो रही है

प्रभारी डीपीएम कोरिया राज्य कार्यालय से जारी स्थानांतरण आदेश का भी पालन नहीं कर रहे हैं। वह जिला छोड़कर जाने से बचना चाह रहे हैं। जो शासकीय कर्मचारी शासन के आदेश की ही अवहेलना कर रहा हो वह यदि खुद को स्वास्थ्य विभाग के लिए फायदेमंद बता रहा है या किसी खबर से उनकी छवि धूमिल हो रही है तो वह झूठ कह रहा है कहा जा सकता है वही डीपीएम कह रहे हैं आरोप लगाकर ।

पत्रकार पर अवैध मांग का भी लगाया है आरोप,आरोप झूठा यह जानते हैं डीपीएम फिर भी खुद को पाक साफ बताने एक बहाना उनका

डीपीएम कोरिया पत्रकार पर अवैध मांग का आरोप लगा रहे हैं। वह यह आरोप झूठा लगा रहे हैं यह वह भलिंभांति जानते हैं फिर भी वह आरोप लगा रहे हैं। वैसे पत्रकार ने न ही उन्हे फोन किया न कभी मुलाकात हुई फिर अवैध मांग सपने में कर गया क्या पत्रकार यह भी सवाल खड़ा हो रहा है। अवैध मांग की बात सरासर झूठ का पुलिंदा है क्योंकि ऐसी बातें आरोप तभी समाने आता है जब किसी मामले में पत्रकार सत्य के साथ आगे बढ़ रहा होता है।

-रवि सिंह-
कोरिया,11 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

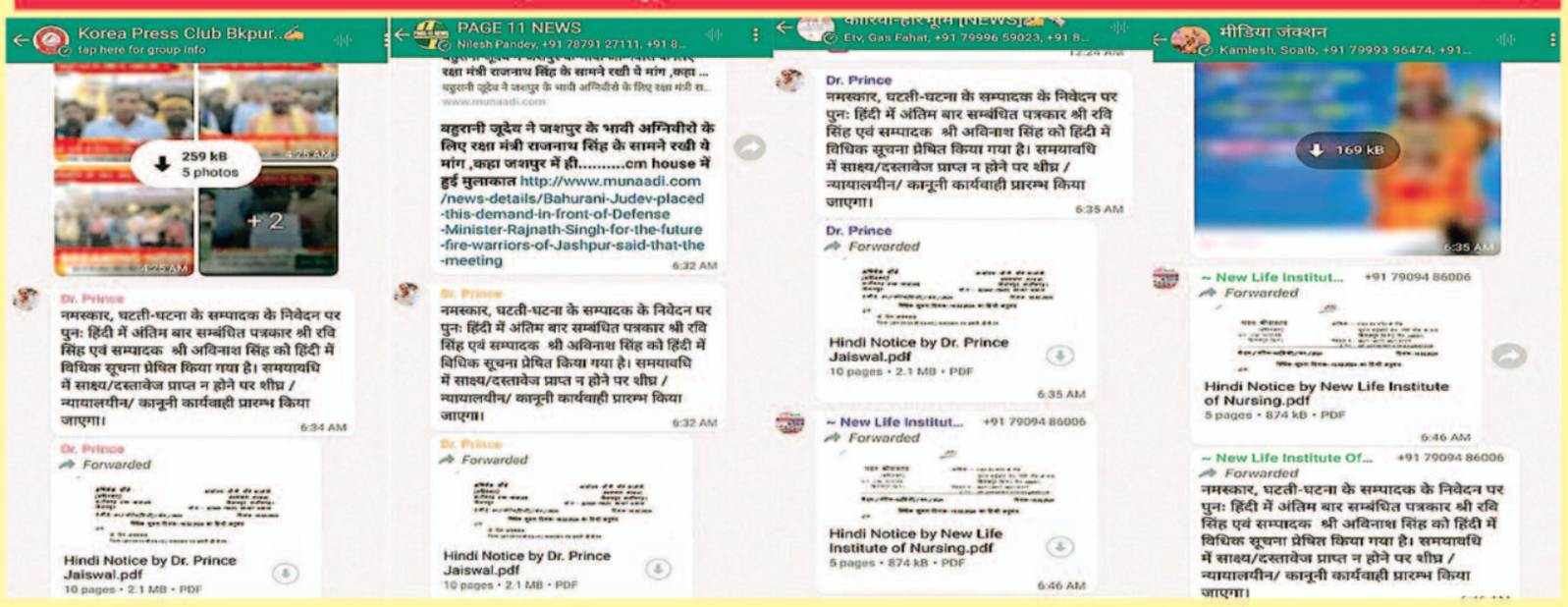

घटती-घटना में छपे समाचार से अक्सर सम्बंधित अधिकारी व कर्मचारी असहज अथवा असहमत नहीं होते पर अपवाद स्वरूप कभी-कभी किसी अधिकारी व कर्मचारी को अपने रुतबे और अपनी कमाई के ग्मान में ऐसा महसूस होने लगता है कि अखबार ने उसकी कार्यप्रणाली पर अंगुली उठाकर उसे क्षेत्र की जनता और यारो-दोस्तो परिजनों आदि की नजरों से गिरा दिया है। वह यह भूल जाते हैं कि उनके और उनके मातहतों के कार्य व्यवहार से ताल्लुक रखने वाली जनता अपनी आपबीतियों के आधार पर अगर पहले से ही उन्हें भ्रष्ट न मान रही होती तो क्षेत्र में किंवदतियों की तरह चर्चित बातें अखबार तक पहुंचती ही नहीं और न उनके छपने-छापने का कोई सवाल ही पैदा हो सकता था। एक बात यह भी ध्यान देने की है कि ऐसे अधिकारी की कृपादृष्टि से निहाल होने वाले उनके मातहतों और बाहरी लोगों के सिवाय आम जनता के बीच का एक भी जागरूक नागरिक सम्बंधित अखबार को फोन से, पत्र से, मेसेज करके या स्वयं पहुंचकर यह कहने की चेष्टा नहीं करता कि अखबार ने साहब साहिबा की कार्यशैली या साहबगिरी पर अंगुली उठाकर गलती कर दी, वो तो अपनी तनखाह के अलावा सपने में भी हराम की कमाई को छू भी नहीं सकते। बहरहाल, घटती घटना को एक प्रभारी डीपीएम व उनकी पत्नी की ओर से अधिकृत वकील साहब ने उनकी मान-सम्मान की हानि करने का आरोप लगाते हुए सिविल और क्रिमिनल केस ठोकने लिए 5 दिनों का अल्टीमेटम दिया है। आजाद हिंदुस्तान में दसियों साल तक कड़ी मेहनत कर के जनता के विश्वास को हासिल करने वाले अखबारों को ऐसे नोटिस मिलते रहना आम बात है। हमे भी यह एक नोटिस मिला है, जो शिरोधार्य है। हमारे जागरूक पाठकों के लिए घटती-घटना में इस मामले की सारी जानकारियां यथा समय तो दी ही जाएंगी (हस्ब मामूल) मगर फिलहाल इतना जरूर कहना चाहेंगे कि किसी अखबार पर मानहानि के मुकदमे की बात सभ्य समाज में तब तक कोई विवेकशील नागरिक सोचना भी ठीक नही समझता जब तक अंतिम रूप से यह साबित नहीं हो जाता कि सम्बंधित अखबार ने सचमुच पूर्वाग्रह से ग्रस्त होकर ही अमुक सामग्री प्रकाशित की थी। और याद रखिए कि अखबार का पूर्वाग्रह सिर्फ इसी बात से अदालत में स्वीकार्य हो पाता है कि समाचार से आहत पक्ष की ओर से प्रकाशित सामग्री को गलत साबित करने वाले तथ्य पंजीकृत डाक से प्रकाशनार्थ भेजे जाने के बावजूद अखबार ने उनको नहीं छापा, अपने पाठकों/आम नागरिकों तक असली सच नही पहुंचने दिया। हमे जो नोटिस मिला है उसमें वकील साहब ने कोई स्पष्टीकरण नही दिया, सिर्फ प्रभारी डीपीएम को ईमानदारी की मिसाल बताते हुए हमको माफीनामा छपने अन्यथा व अवैध वसूली का आरोप लगया, साथ ही प्रभारी डीपीएम व उनकी पत्नी से माफी मांगने को कहा गया, मुकदमा झेलने की चेतावनी दी है। प्रकाशन के लिए उचित शब्दो में प्रभारी डीपीएम व पत्नी का पक्ष हमे मिलता तो उसे प्रकाशित करके हमे बेशक खुशी होती। पर धमकी या चेतावनी देने में ही न्याय नजर आता है तो फिर 5 दिन की मियाद खत्म होते ही अगर घटती घटना के खिलाफ मुकदमा दायर नहीं किया गया तो स्वतंत्र और निष्पक्ष पत्रकारिता को नाहक ही धमकी देने और पदाधिकार के दम पर साहबगिरी दिखाने का मुकदमा माननीय उच्च न्यायालय में घटती-घटना अवश्य दायर करेगा। सम्बंधित जन कृपया नोट कर लें....दैनिक घटती-घटना नोटिस का प्रकाशन इसलिए कर रहा है ताकि समाचार के पाठकों को भी इसकी जानकारी रहे की लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ को सच लिखना कितना कठिन हो गया है।

पत्रकार को दिए लीगल नोटिस को वाट्सऐप समूह में डालकर क्या अपने आप को पाक साफ साबित करना चाह रहे हैं?

तत्कालीन प्रभारी डीपीएम व उनकी पत्नी जिनका दैनिक घटती-घटना के खबर प्रकाशन से छवि खराब हुआ है, उस छवि को सुधारने के लिए अधिवक्ता से लीगल नोटिस बनवा कर वाट्सऐप समूह में वायरल कर क्या अपने आपको पाक साफ साबित कर पाएंगे? जन चर्चा में उनकी छवि कितनी पाक साफ है यह वह खुद भी जानते हैं, प्रभारी डीपीएम व उनकी पत्नी की खबर से खराब हुई छवि सही हो गई क्या लीगल नोटिस को वाट्सऐप समूह में डालकर?

साइबर सेल कोरबा एवं चौकी सीएसईबी की संयुक्त टीम ने सट्टा खेलने वाले पर की कार्यवाही

-संवाददाता-
कोरबा,11 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

जिले में सभी किस्म के अवैध कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण हेतु पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी (भा.पु.से.) के अवैध शराब, गांजा,एवं जुआ, सट्टा पर कार्यवाही के निर्देश दिया है। पुलिस टीम के द्वारा पहले भी सट्टा के तीन प्रकरणों में सट्टा खेलने वालों पर कार्यवाही किया गया है । उनके निशान देही पर सायबर सेल कोरबा एवं चौकी सीएसईबी को सूचना मिला कि टी पी नगर कोरबा का संकेत अग्रवाल दादूराम हार्डवेयर दुकान के सामने अपने मोबाइल में ऑनलाइन रूपए पैसे का दाव लगाकर हार जीत का जुआ सट्टा खेल रहा है,कि सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नेहा वर्मा (रा पु से) नगर पुलिस अधीक्षक महोदय कोरबा भूषण एक्का (रापुसे) के मार्गदर्शन में घटना स्थल टी पी नगर कोरबा दादूराम हार्डवेयर दुकान के सामने पहुंचकर घेराबंदी किये जो मुखबीर द्वारा बताए गये दादूराम हार्डवेयर के सामने एक व्यक्ति मिला जिसे नाम पता पूछने पर अपना नाम संकेत अग्रवाल उम्र 30 वर्ष पता टी पी नगर पाटीदार भवन के पीछे सीएसईबी कोरबा होना बताया, जिसके कब्जे से रखें एक सैमसंग कंपनी का मोबाइल फोन को चेक करने पर लाइव बुकी नामक ऑनलाइन सट्टा आईडी बनाकर रूपए पैसे का दावा लगाकर सट्टा खेलते हुए मिला । संकेत अग्रवाल जब से इस संबंध में पूछताछ किया गया तो उसने सट्टा खेलना स्वीकार किया। संकेत अग्रवाल के कब्जे से एक सैमसंग कंपनी का मोबाइल को जप्त किया जाकर कब्जा पुलिस लिया गया। जो आरोपी का कृत्य जुआ/सट्टा एक्ट के अंतर्गत दंडनीय अपराध का होना पाये जाने से विधिवत कार्यवाही की गई।

जिला पुलिस सूरजपुर का महिला जागरूकता सप्ताह का हुआ समापन

-संवाददाता-
सूरजपुर,11 मार्च 2024
(घटती-घटना)।

अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सोमवार, 11 मार्च 2024 को पुलिस लाईन सूरजपुर में महिला जागरूकता सप्ताह का समापन हुआ। उप पुलिस महानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री एम.आर.आहिरे (भा.पु.से.) ने अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के तहत महिलाओं-छात्राओं को महिला सुरक्षा एवं महिला सशक्तिकरण, महिला सुरक्षा के प्रावधानों,साइबर अपराध, महिलाओं को प्राप्त मूलभूत अधिकार सहित कई अहम जानकारियों से अवगत कराने, विभिन्न प्रकार के खेलकूद एक्टिविटी कराने के निर्देश दिए थे।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो के मार्गदर्शन में रक्षित केन्द्र में हुए आयोजन में बड़ी संख्या में महिलाएं-बालिकाएं मौजूद रहे। इस दौरान एएसपी श्री महतो ने महिलाओं को सम्मानित करते हुए महिला दिवस व अभिव्यक्ति कार्यक्रम के उद्धेश्य से महिलाओं व बालिकाओं को अवगत कराया और उन्हें सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने अधिक से अधिक अभिव्यक्ति ऐप का इस्तेमाल करने तथा आस-पड़ोस की महिला-बालिकाओं को अभिव्यक्ति की जानकारी देते हुए एप डाउनलोड करा उन्हें जागरूक करने कहा तथा महिलाओं की सुरक्षा के लिए जिला पुलिस के अभियानों के बारे में बताया।

महिलाओं ने किया शानदार खेलकूद एक्टिविटी

महिला दिवस के समापन अवसर पर महिलाओं-बालिकाओं के लिए कुर्सी दौड़, जलेबी दौड़, ग्लास-बॉल गेम, स्वीट दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। ग्लास-बाल प्रतियोगिता में प्रथम कुसुमकांता लकड़ा, द्वितीय अनिता राजवाड़े, स्वीट दौड में प्रथम गीता सिंह व रोहिणी, कुसी दौड़ में प्रथम झमिता वरकरे, द्वितीय अलका टोप्पो, जलेबी दौड़ में प्रथम युवराज व महक रहे। खेलकूद के इस आयोजन में एसडीओपी सूरजपुर नंदिनी ठाकुर, उप संचालक समाज कल्याण बी तिर्की, प्रशिक्षु डीएसपी स्निग्धा सलामे ने भी इन प्रतियोगिता में भाग लिया। महिलाओं-बालिकाओं ने पुलिस लाईन से सुभाष चौक तक बाईक रैली निकाल प्रेरणादायक संदेशों के साथ महिलाओं को सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम की रूपरेखा एवं प्रतियोगिता में रेफरी की भूमिका रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी ने निभाया। इस दौरान डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप, थाना प्रभारी सूरजपुर विमलेश दुबे, निरीक्षक सरोज टोप्पो, काफी संख्या में महिलाएं-बालिकाएं व पुलिस लाईन के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

क्या पुलिस के मुख़बिर भी अशफ़ाक उल्लाह के कारोबार की जानकारी पुलिस को नहीं दे पा रहे?

सरकार के पास इतनी सारी एजेंसियां है जो सरकार को जानकारी देती हैं,क्या अशफ़ाक उल्लाह के कारोबार की जानकारी नहीं दे पा रही हैं एजेंसियां?

पूरे प्रदेश में अशफ़ाक उल्लाह का नाम व उसके कारोबार की चर्चा...फिर भी जांच एजेंसियां खामोश क्यों?

पुलिस को शिकायत का इंतजार लेकिन स्वतंत्र जांच एजेंसी को किसका इंतजार?

यदि पुलिस शिकायत पर ही कार्यवाही करेगी तो फिर अवैध कारोबार पर कार्यवाही कैसे होगी,क्या पुलिस के मुख़बिर अब नहीं रह गए सक्रिय?

अशफ़ाक उल्लाह अपने पास पैसे निवेश करने वाले लोगों को अभी तक दर्जनों कार व सैकड़ो बाइक गिफ्ट कर चुका है:सूत्र

सूरजपुर के मोबाइल दुकान संचालक,हार्डवेयर दुकान संचालक व जनरल स्टोर संचालक लगा चुके हैं उनके पास करोड़ों रुपए:सूत्र

अशफाक उल्लाह की बढ़ती संपत्ति का राज जिले के सभी लोगों को है पता...तो क्या जांच एजेंसियों को इसकी जानकारी नहीं?

-फाईल:फोटो-

घटती घटना | कोरिया-सरगुजा-जशपुर-कोरबा-समाचार | अम्बिकापुर ,सोमवार 04 मार्च 2024 | 6

कौन है असफाक उल्लाह जिनके ऊपर लोग विश्वास करके अपना करोड़ों रुपए दांव पर लगा रहे हैं?

-भूपेन्द्र सिंह-

अंबिकापुर/सूरजपुर/एमसीबी/रायपुर 11 मार्च 2024 (घटती-घटना)। अशफाक उल्लाह का कारोबार सिर्फ एक जिले में ही नहीं सरगुजा संभाग के सभी जिले सहित प्रदेश के कई जिलों में संचालित है जहां लोग अपने पैसे को इसके पास देकर अत्यधिक लाभ अर्जित करने में लगे हुए हैं पर यह पैसा कहां लगता है यह अनसुलझी पहेली बनी हुई है...वहीं सूत्रों का मानना है कि अशफ़ाक उल्लाह लोगों का पैसा किसी सट्टा वाले ऐप में लगा रहा है जो काफी जोखिम भरा है जानकारों की मानें तो हर जिले से लगभग 10-10 करोड़ रुपए लोगों के अशफ़ाक उल्लाह के पास लगे हुए हैं धनाढ्य लोगों के साथ-साथ उन व्यक्तियों के भी पैसे लगे हैं जो अपने पैसे को दुगना करने की चाह रखते हैं। वही यह कारोबार किसी जोखिम से भरा नहीं है पर सवाल यह है कि जहां इस पूरे कारोबार को जानकार अवैध कारोबार मान रहे हैं पर वहीं इस कारोबार की असलियत जांच एजेंसियां क्यों नहीं खोल पा रही हैं क्या पुलिस

-फाईल:फोटो-

के पास भी ऐसे मुखबिर नहीं बचे जो इस मामले का भंडाफोड़ कर सके? क्या पुलिस इस मामले का भंडाफोड़ करने के लिए शिकायत का इंतजार कर रही है कि कब किसका पैसा डूब जाए और वह पुलिस के पास शिकायत आए तब पुलिस इस मामले में संज्ञान लेगी? वैसे पुलिस को पहले ही मामले में संज्ञान लेना चाहिए ताकि समय रहते धन हानि से लोगों को बचाया जा सके। सूरजपुर कोरिया,एमसीबी,बलरामपुर,सरगुजा,जशपुर सहित प्रदेश के कई जिलों के लोग अधिक आय अर्जित करने के चक्कर में अशफाक के पास बिना दस्तावेज के व बिना गारंटी के अपना पैसा आंख मूंद कर लगा रहे हैं। इसके पीछे की सच्चाई क्या है यह भी वह नहीं जानते बस उन्हें यह बताया जा रहा है कि यह शेयर मार्केट में लग रहा है और वह ट्रेडिंग का काम कर रहे हैं। सूरजपुर से मोबाइल दुकान संचालक,हार्डवेयर दुकान संचालक व एक जनरल स्टोर के संचालक सहित कई प्रतिष्ठित व्यापारियों ने अपने करोड़ों रुपए इसके पास लगा चुके हैं। जिसके एवज में उन्हें महंगी महंगी कार भी गिफ्ट हो चुकी है। पैसे लगाने वालों के पास सिर्फ जुबान की सिक्योरिटी है कि उनका पैसा मिल जाएगा बाकी दस्तावेज में उनका पैसा लगा है इसकी उनके पास कोई भी दस्तावेज नहीं है ऐसा सूत्रों का कहना है।

एसईसीएल कर्मियों ने भी लगाया है रिटायरमेंट का पैसा

सूत्रों के अनुसार असफाक उल्लाह से जहां पैसे वाले प्रभावित हैं और अपना पैसा जल्द से जल्द वह दुगना करने में अशफाक के सहारे लगे हुए हैं वहीं अब एस ई सी एल से सेवानिवृत्त होने वाले लोग भी अपनी जीवन भर की कमाई लालच में असफाक के पास लगानी शुरू कर दी है। सेवानिवृत्त होने पर मिलने वाली बड़ी राशि वह ब्याज के लालच में असफाक उल्लाह के पास निवेश कर रहे हैं वहीं फिलहाल तो उन्हे ब्याज मिल रहा है लेकिन कब उनका पैसा डूब जाए कोई नहीं जानता। लोगों के बीच असफाक की एक ऐसी छवि बन चुकी है की लोग यह मानकर चल रहे हैं की असफाक उनके पैसे डबल करके ही लौटाएंगे और इसी लालच के सभी फंसते जा रहे हैं और अपनी गाढ़ी कमाई उन्हे सौंपते जा रहे हैं।

अचानक अशफाक उल्लाह के पास क्या अलादीन का चिराग लग गया की धन वर्षा होने लगी?

असफाक उल्लाह को लेकर सूत्रों की माने तो वह कम समय में इतनी तरक्की करने वाले एक इंसान साबित हो गया हैं। कम समय में वह भी स्थानीय स्तर पर लोगों का पैसा वह उन्हे फायदा देने के नाम पर लेते हैं और उसी पैसे में फायदा देकर वह काफी धनाढ्य हो गए। वैसे लोग कहते हैं उनके हांथ अलादीन का चिराग लग गया है लेकिन जहां तक उनके कारोबार के बारे में सूत्रों का कहना है वह चिटफंड जैसा ही साबित होने वाला है और जल्द ही एक महादेव ऐप जैसा घोटाला सामने आने वाला है,जिसे रोका जा सकता है लेकिन जिम्मेदार रोकने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं और चिटफंड जैसा कारोबार फलफूल रहा है। वैसे जिस तरह का कारोबार असफाक उल्लाह कर रहे हैं और जिस तरह लोग उनके झांसे में आ रहे हैं ऐसा ही एक समय कोरिया जिले में होता नज़र आया था,तब कुछ समय तक लोगों को निश्चित ब्याज मिलता रहा और फिर एकाएक सबका पैसा डूब गया जो आज तक लोगों को नहीं मिल सका क्योंकि पूरा लेनदेन केवल चेक पर आधारित था और सामने वाले ने खुद को दिवालिया बना लिया और फिर मामला ही समाप्त हो गया।

लोगों को लुभाने और दिखाने के लिए करोड़ों रुपए का घर एवं दफ्तर बनाया है इन लोगों ने...

लोगों को मीठी-मीठी बातों में फंसा कर और भ्रमित कर पैसे निकलने में माहिर ये शातिर लोग छोटे से गांव में करोड़ों रुपए के दफ्तर और आलीशान मकान बनाकर लोगों को भ्रमित कर लुभाने का काम कर रहे है जब लोग इसे या कहते हैं कि आप लोग 1 साल में डबल पैसा कैसे देंगे आप लोग भाग सकते हैं तो यह लोग अपने दफ्तर और घर एवं महंगी गाड़ियों का हवाला देकर कहते हैं कि इसको छोड़कर हम कैसे जाएंगे आप तो हमें 50 लाख दे रहे हैं और हम कई करोड़ रुपए का घर ऑफिस कैसे छोड़ सकते हैं लोग इनकी मीठी-मीठी बातों में फंस जाते हैं और इस तरह उसे घर को दिखाकर लगातार या क्षेत्र में गरीबों से लूट का कार्य लगातार कर रहे हैं।

क्या फर्जी इन्वेस्टमेंट कंपनी के संचालन में आयकर विभाग की भूमिका है संदिग्ध?

करोड़ों रुपए का महीना में आदान-प्रदान इन लोगों के द्वारा किया जा रहा है जिला स्तरीय कार्यालय के साथ-साथ संभाग में भी आयकर विभाग के अधिकारी मौजूद हैं लेकिन उनके द्वारा इन पर किसी भी तरह की कार्यवाही नहीं की जा रही है और ना ही आज तक यह जानने का प्रयास किया गया कि आखिर यह पंजीकृत हैं या नहीं या फिर इनके द्वारा किस तरह से 1 साल में पैसा डबल करके दिया जा रहा है यदि डबल करके दिया जा रहा है तो जिस व्यक्ति को मिला है पैसा उसने इनकम टैक्स पटाया है या नहीं किसी भी तरह की पड़ताल नहीं की जा रही है सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इन लोगों ने सरकार की विभिन्न जांच करने वाली एजेंसी का भी महीना बांध रखा है,यही वजह है कि प्रशासन इसे आज तक किसी तरह का जांच पड़ताल नहीं कर रहा है और धड़ल्ले से जनता के पैसे में यह डाका डाल रहे हैं।

आय से ज्यादा संपत्ति का मामला भी जांच का विषय

असफाक उल्लाह कम समय में ही अत्यधिक आय अर्जित करने वाले व्यवसाई बन चुके हैं,सूत्रों के अनुसार उनकी संपत्ति आय से अधिक मामले में जांच का विषय हो सकती है। महंगी विदेशी गाड़ी आलीशान ऑफिस और घर साथ ही महंगी शानो शौकत देखते हुए उनके आय की जांच जरूरी हो जाती है। वैसे सब कुछ देखकर भी मौन हैं सभी जिम्मेदार विभाग और देखना है की क्या वह मौन ही रहने वाले ही विभाग बने रहेंगे या वह मामलो की जांच भी कर अपनी उपस्थिति उपयोगिता साबित करेंगे...वैसे शासकीय जिम्मेदार विभाग क्यों मौन हैं...क्या वह जब लोगों का पैसा डूब जायेगा तब जागेंगे यह बड़ा सवाल है।

जांच एजेंसियों सहित पुलिस को मामले में लेना चाहिए संज्ञान,क्या पता विदेशी कोई षड्यंत्र ही न हो पूरे मामले में

जांच एजेंसियों सहित पुलिस को असफाक उल्लाह के मामले में गंभीरता से ध्यान देना चाहिए और जांच कर यह तय जरूर करना चाहिए की पूरा लेनदेन सुरक्षित है और जिस व्यवसाय के लिए या एवज में पैसा लिया जा रहा है वह व्यवसाय जायज है गैर कानूनी नहीं है। मामले में विदेशी कोई षड्यंत्र भी इस तरह के लाभ की वजह हो सकता है जिसकी जांच भी करनी चाहिए। कुल मिलाकर असफाक के आय के जरिए क्या हैं यह एजेंसियों सहित पुलिस को जानने की कोशिश करनी चाहिए जिससे भविष्य के किसी बड़े मामले को टाला जा सकें।

चिरमिरी क्षेत्र से भी लगभग 5 करोड़ रूपया निवेश कराए जाने की खबर...

इस इन्वेस्टर ने चिरमिरी के लोगों को भी भ्रमित कर अपने मकड़ जाल में फंसा रखा है मिली जानकारी के अनुसार पौंडी थाना के अंतर्गत बाजार पारा मैं कुछ चर्चित छुटभैया नेता भी उसके एजेंट बताए जाते हैं जो पिछले कई दिनों से क्षेत्र से फरार भी हैं इन लोगों ने अपनी रिश्तेदारी का हवाला देकर पूरे चिरमिरी क्षेत्र से लगभग 5 करोड़ रूपया यहां पर जमा करवाया है मिली जानकारी के अनुसार इन्वेस्टर और उसके गुर्गे कभी इस स्थान पर किसी किराना दुकान में काम किया करते थे काम करते-करते उन्होंने कुछ इलाके में एक किराना दुकान का व्यवसाय शुरू किया था और धीरे-धीरे आज कई करोड़ रुपए के आसामी बन बैठे हैं...बताने वाले ने यह भी बताया कि कई करोड़ रुपए की कारें यह अपने ऐसो आराम और घूमने में इस्तेमाल करते हैं ग्राहकों को प्रभावित करने के लिए यह उनके घरों में इन महंगी कारों में जाते हैं और वहां से नगद पैसा इन्हीं कारों में लाते हैं बातचीत काफी लच्छेदार होती है कुछ को लुभाने के लिए इन्होंने साल में डबल करके भी पैसा दिया है जिनका पैसा दिया है उनकी रिकॉर्डिंग मोबाइल में रख करके सबको दिखाते हैं और सबको अपने जाल में फसाते हैं इस तरह का सिलसिला बदलते दूर पूरे कोयला अंचल क्षेत्र में बेधड़क जारी है।

खबर छापने से अशफ़ाक उल्लाह के रहमो-करम पर पलने वाले में मायूसी, खोया उन्होंने आपा,अनाप-सनाप बकते सुने जा रहे हैं उसके भरोसे जी रहे लोग

घटती-घटना में खबर प्रकाशित होने के बाद अब असफाक उल्लाह के रहमो-करम पर पलने वाले मायूसी में नजर आ रहे हैं,वह अब अनाप-शनाप बकने लगे हैं। यह वह लोग हैं जिनके घरों का चूल्हा भी असफाक उल्लाह के लिए बड़ाई करने के बाद जल पाता है। यह लोग खबर प्रकाशन के बाद यह भी कहते सुने जा रहे हैं की असफाक उल्लाह खतरनाक भी है। वैसे खबर का प्रकाशन आम लोगों के लिए सतर्कता के उद्देश्य से किया जा रहा है। शासकीय जिम्मेदार विभाग को जगाने और सजग करने के लिए किया जा रहा है। लोग सतर्क हुए हों न हुए हों,शासकीय जिम्मेदार विभाग नींद से जागे हों न जागे हों लेकिन असफाक का गैंग अब खबर को लेकर अक्रोशीत है और जो सुना जा रहा है। सबसे ज्यादा आक्रोश में वह लोग हैं जिन्हे एक तरह से पालने का काम असफाक उल्लाह कर रहा है जो कहीं न कहीं अपने घरों से सक्षम नहीं अपना पेट पाल पाने में...एक कथित धर्म गुरु को दिया कार...सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार क्षेत्र के बाहर से आए एक धर्मगुरु जिसको हवाई जहाज से आने का टिकट करवाया था और बड़े लग्जरी कार के साथ रायपुर से यहां तक लेकर आया गया था उसने अपने धार्मिक तकरीर में उसके धंधे को धर्म से जोड़कर लोगों को अधिक से अधिक निवेश करने की बात कहे जाने पर या व्यक्ति उसे अपने निर्धारित दर से 50000 अतिरिक्त देकर एक हुंडई की क्रेटा कार गिफ्ट किया है जो पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है कहने को तो यह भी कहा जा रहा है की वह बाहर से करोड़ों रुपए का इन्वेस्टमेंट यहां पर भेज रहा है,दूसरे शब्दों में या कहें कि वह इसका एजेंट बन बैठा है और अपने चेलों का कई करोड़ रूपया जो काला धन था निवेश करवाया है जो जांच का विषय है किसी ने भी अपनी इनकम टैक्स रिटर्न में इस तरह का इन्वेस्टमेंट नहीं दर्शाया है कुल मिलाकर सरकार की कर चोरी करने वाले लोग इन लोगों के गिरफ्त में है।

कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में 141 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

-संवाददाता-
सूरजपुर,11 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर के द्वारा सत्र 2023-24 में आयोजित हायर सेकण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट मुख्य परीक्षा कक्षा 12वीं के विषय-भूगोल (102), भौतिक शास्त्र (201) की परीक्षा जिले के निर्धारित 74 परीक्षा केन्द्रों में सफलता पूर्वक संचालित किया गया। जिसमें कुल दर्ज 6447 परीक्षार्थियों में से 141 अनुपस्थित रहे। श्री रामललित पटेल, जिला शिक्षा अधिकारी, सूरजपुर के द्वारा शा. कन्या उ.मा.वि. विश्रामपुर एवं स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय विश्रामपुर वि.ख. सूरजपुर का निरीक्षण किया गया। समस्त परीक्षा केंद्रों में परीक्षा सुचारू एवं शांतिपूर्वक संचालित होना पाया गया।

प्रदेश श्रम एवं उद्योग मंत्री लखन देवांगन ने हरी झंडी दिखाकर तीर्थयात्रियों को लेकर रामलला दर्शन के लिए जा रही ट्रेन को किया रवाना

-संवाददाता-
कोरबा,11 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

श्री राम लला दर्शन योजना के तहत अयोध्या धाम के दर्शन के लिए कोरबा जिले से 146 श्रद्धालुओं का जत्था आज सुबह रवाना हुआ। वाणिज्य, उद्योग और श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने बिलासपुर रेलवे स्टेशन में हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को अयोध्या धाम के लिए रवाना किया। उन्होंने सभी यात्रियों को सुखद सफर की शुभकामनाएं दी। सड़क मार्ग से श्रद्धालुओं का यह दल बिलासपुर पहुंचे। वहां से स्पेशल आस्था ट्रेन से आगे के सफर के लिए रवाना हुए।

यह श्रद्धालुओं का दल 14 मार्च को वापस लौटेगा। तीन दिवसीय यात्रा के दौरान यात्री अयोध्या धाम के साथ वाराणसी में काशी विश्वनाथ के भी दर्शन करेंगे। यात्रियों के सहयोग के लिए 3 अधिकारियों की टीम भी जत्थे के साथ रवाना हुई है। कोरबा के कुल 146 यात्री रवाना हुए। इस दौरान बिलासपुर रेलवे स्टेशन में अपने बीच उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन को पाकर तीर्थ यात्रियों का उत्साह और बढ़ गया। जय श्री राम के उद्घोष से स्टेशन परिसर भी गुंजायमान हो गया। मंत्री श्री देवांगन ने सभी यात्रियों से भेंट की और मंगल यात्रा के लिए शुभकामनाएं भी दी। सभी यात्रियों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, बिलासपुर के विधायक अमर अग्रवाल, तखतपुर के विधायक धर्मजीत सिंह, बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला समेत अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे ।

बच्चों में जिज्ञासा लाने के उद्देश्य से हुआ विकासखंड स्तरीय पुस्तक मेले का आयोजन

-संवाददाता-
सूरजपुर,11 मार्च 2024 (घटती-घटना)।

राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत् प्राथमिक और माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों में विज्ञान और गणित विषयों के प्रति जिज्ञासु बनने एवं अपने स्वयं के प्रतिभा को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से जिला शिक्षा अधिकारी राम ललित पटेल और जिला मिशन समन्वयक शांशकांत सिंह के निर्देशन एवं विकासखंड स्त्रोत समन्वयक मनोज कुमार मंडल के मुख्य आतिथ्य में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल नवापारा सूरजपुर में विकासखण्ड स्तरीय पुस्तक मेला का आयोजन किया गया,जिसमें संकुल स्तर से चयनित विद्यार्थी विकासखंड स्तर पर पुस्तक मेला में भाग लेकर विभिन्न प्रकार के उपयोगी पुस्तकों की प्रदर्शनी लगाये ।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग,क्रमांक,01 अम्बिकापुर
Main Portal:http://cgeprocurment.gov.in
WRD Portal:http://wrd.cgeprocurement.gov.in

-:निविदा निरस्तीकरण सूचना:-

क्रमांक - 01 /व.ले.लि./2023-24 दिनांक - 01.03.2024

इस कार्यालय के निविदा सूचना क्रमांक : 09/व.ले.लि./2023-24 दिनांक.21.12.2023 क्र.01 निम्नलिखित कार्यो के लिये आमंत्रि निविदा जिसका 'जी' नम्बर 06685 दिनांक 26.12.2023 है. को कार्यालय प्रमुख अभियंता जल संसाधन विभाग शिवनाथ भवन अटल नगर रायपुर के पत्र पृ.क्र. 4262971/निविदा प्रकोष्ठ/2023/11146 रायपुर दिनांक 06.02.2024 के तहत एकल निविदा होने के कारण निविदा निरस्त की जाती है।

स. क्र.	सिस्टम निविदा क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत
1	150248	बेलजोरा जलाशय योजना के आर.डी. 0 मी. से 2160 मी. के मध्य पक्की चैनल का निर्माण 02 नग स्ट्रक्चर का मरम्मत तथा मिट्टी कार्य एवं मुख्य नहर के आर.डी. 0 से 2800 मी. तथा मानईनर 1-630 मी. माईनर 2- 390 मी. तथा माईनर 3-670 मी. पर रिसेक्सनिंग कार्य।	रू. 139.17 लाख

जी0नं0- 08409/9

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग क्र0 01, अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर जिला सरगुजा, (छ0ग0)

रा.प्र.क्र. /अ-2/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शमीमा बेगम आ0 कलीमुल्ला कुरेशी जाति मुशलमान निवासी मायापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम नवागढ़ तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 खसरा नंबर 90/4,90/25 रकबा 0.023,0.003 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा सेटलमेन्ट, ले-आउट, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र,रजिस्ट्री की प्रति आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 26/03/2024 को मेरे न्यायालय में अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 11/03/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील

अनुविभागीय (रा.)
अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर जिला सरगुजा, (छ0ग0)

रा.प्र.क्र. /अ-2/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कलीमुल्ला कुरेशी आ0 स्व0 सिद्दीकी कुरेशी जाति मुशलमान निवासी मायापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम नवागढ़ तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 खसरा नंबर 90/25 रकबा 0.013 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा सेटलमेन्ट, ले-आउट, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र,रजिस्ट्री की प्रति आदि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 26/03/2024 को मेरे न्यायालय में अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 11/03/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील

अनुविभागीय (रा.)
अम्बिकापुर

CMYK

हॉकी इंडिया ने की पुरुषों के राष्ट्रीय कैंप के लिए संभावित 28 नामों की घोषणा

नई दिल्ली, 11 मार्च 2024। हॉकी इंडिया ने सोमवार को सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग कैंप के लिए 28 सदस्यीय कोर संभावित समूह की घोषणा की, जो 12 मार्च से 30 मार्च तक भुवनेश्वर के कलिंगा हॉकी स्टेडियम में आयोजित होगा।

भारतीय हॉकी टीम के लिए यह शिविर काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि उनका लक्ष्य पेरिस 2024 ओलंपिक से पहले अपनी तैयारियों को मजबूत करना होगा।

टीम एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023-24 में सफल प्रदर्शन के बाद शिविर में लौटी है, जहां वे भुवनेश्वर और राउरकेला में 8 मैचों में 15 अंक हासिल करने के बाद वर्तमान में तीसरे स्थान पर हैं।

1 जून को लंदन और फिर एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023-24 के अंतिम चरण के लिए नीदरलैंड जाने से पहले, लीग 22 मई 2024 को एंटवर्प, बेल्जियम में फिर से शुरू होगी।

राष्ट्रीय कोचिंग शिविर में गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक, पीआर श्रीजेश, सूरज करकेरा और डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह, जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, संजय, सुमित और अमीर अली शामिल हैं।

शिविर में बुलाए गए मिडफील्डरों में मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, रबीचंद्र सिंह, शमशेर सिंह, नीलकंठ शर्मा, राजकुमार पाल, विष्णुकांत सिंह शामिल हैं। जबकि फॉरवर्ड की सूची में आकाशदीप सिंह, मंदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, अभिषेक, दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, गुरजंत सिंह, मोहम्मद राहिल मोहसिन, बॉबी सिंह धामी और अरिजीत सिंह हुंदल शामिल हैं।

भारत के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने आगामी शिविर के महत्व पर कहा, हम इस शिविर में प्रशिक्षण का एक महत्वपूर्ण ब्लॉक शुरू करना चाहते हैं, और हमें यह सुनिश्चित करने की ज़रूरत है कि बड़े मैचों की श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया जाने से पहले हम सर्वोत्तम स्थिति में हों।

शिविर के लिए चुने गए खिलाड़ी आगामी महत्वपूर्ण खेलों को खेलने के लिए दावेदार होंगे। इसलिए, हमने अनुभवी खिलाडिय़ों के एक समूह के साथ-साथ कुछ युवाओं को भी चुना है जो प्रो लीग में भी खेले थे।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम
28 सदस्यीय कोर ग्रूपः

गोलकीपर :कृष्ण बहादुर पाठक, पीआर श्रीजेश, सूरज करकेरा,

डिफेंडरः हरमनप्रीत सिंह, जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, संजय, सुमित, आमिर अली

मिडफील्डरः मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, रबीचंद्र सिंह, मोइरंगथेम, शमशेर सिंह, नीलकंठ शर्मा, राजकुमार पाल, विष्णुकांत सिंह

फॉरवर्डः आकाशदीप सिंह, मनदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, अभिषेक, दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, गुरजंत सिंह, मोहम्मद राहिल मोहसिन, बॉबी सिंह धामी, अरिजीत सिंह हुंदल

संक्षिप्त खेल समाचार

रोहित शर्मा सीएसके की कप्तानी कर सकते हैं

नई दिल्ली,11 मार्च 2024। आईपीएल 2024 से पहले ही मुंबई इंडियंस ने ऑल कैश डील करते हुए गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक पंड्या की मुंबई इंडियंस में वापसी करा दी थी। हार्दिक पंड्या ने अपना आईपीएल करियर मुंबई इंडियंस के साथ ही शुरू किया था और रोहित शर्मा की कप्तानी में अपना नाम बनाया था। वहीं एमआई ने रोहित की जगह हार्दिक को कप्तान बना दिया था। वहीं अब एमआई और सीएसके के लिए खेल चुके अंबाती रायुडू ने रोहित को लेकर कुछ बातें कही हैं। अंबाती ने कहा कि, रोहित शर्मा अभी कम से कम 5-6 साल और आईपीएल में खेल सकते हैं। अगर रोहित कप्तानी करना चाहते हैं तो, पूरी दुनिया उनके लिए खुली हुई है। वह जिस भी टीम के लिए चाहें कप्तानी कर चुके हैं। मैं चाहता हूं कि रोहित शर्मा आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपरकिंग्स की ओर से खेलें, अगर धोनी संन्यास लेते हैं तो ऐसे में रोहित शर्मा सीएसके की कप्तानी कर सकते हैं।

मुंबई इंडियंस ने रोहित शर्मा की कप्तानी में पांच खिताब जीते हैं और चेन्नई सुपर किंग्स ने एमएस धोनी की कप्तानी में पांच आईपीएल खिताब जीते हैं। रोहित और धोनी दोनों ही आईपीएल इतिहास के सबसे सफल कप्तानों में से एक हैं। दोनों की ही टीमें आईपीएल इतिहास की सबसे सफल फ्रेंचाइजी टीमें हैं। रायुडू के अनुसार रोहित सीएसके के कल्चर में एकदम फिट बैठेंगे।

आईपीएल 2024 में खेलते हुए नजर आएंगे ऋषभ पंत

नई दिल्ली,11 मार्च 2024। ऋषभ पंत के फैंस के लिए खुशखबरी है। दरअसल, एक रिपोर्ट के मुताबिक ऋषभ पंत को इस साल के आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलने के लिए बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी से फिटनेस मंजूरी मिल गई है। अब इसी के साथ पंत आईपीएल में खेलने के लिए तैयार हैं। टेलीग्राफ के अनुसार बीसीसीआई के एकल अधिकारी ने कहा कि, पंत को एनसीए से मंजूरी मिल गई है और वह तीन दिन पहले ही चले गए हैं। उन्हें अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में थोड़ा और समय लगेगा, लेकिन उन्होंने बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग अभ्यास में निश्चित रूप से अच्छी प्रगति दिखाई है। इसलिए उन्हें आईपीएल के पहले दौर से ही उपलब्ध होना चाहिए। दिसंबर 2022 में एक भयानक कार दुर्घटना के बाद एक साल से ज्यादा समय तक बाहर रहने के बाद आईपीएल में पंत की वापसी होगी। वहीं दिल्ली कैपिटल्स इस सप्ताह के अंत में विशाखापट्टनम में अपना प्री-आईपीएल कैंप लगाएगी।

एलेक्स कैरी ने धराशायी किया ऋषभ पंत के गाबा टेस्ट का रिकॉर्ड

सिडनी,11 मार्च 2024। ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत जीत ली है। ऑस्ट्रेलिया ने क्राइस्टचर्च में खेला गया दूसरा टेस्ट मैच तीन विकेट से अपने नाम किया। रोमांचक टेस्ट मैच में एलेक्स कैरी ने दूसरी पारी में नॉटआउट 98 रन बनाए। विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर चौथी पारी में टीम को जीत दिलाते हुए कैरी ने दूसरा सबसे बड़ा स्कोर अपने नाम किया।

इसके साथ ही उन्होंने ऋषभ पंत को पीछे छोड़ दिया है। पंत ने ऐतिहासिक गाबा टेस्ट मैच में नॉटआउट 89 रन बनाकर भारत को जीत दिलाई थी। इस लिस्ट में अभी भी टॉप पर ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर एडम गिलक्रिस्ट हैं। इस लिस्ट में चौथे नंबर पर श्रीलंका के निरोशन डिकवेला हैं, जिन्होंने 2017 में जिम्बाब्वे के खिलाफ 81 रनों की पारी खेली थी और पांचवें नंबर पर इंग्लैंड के जोस बटलर हैं। बटलर ने 2020 में पाकिस्तान के खिलाफ 75 रनों की पारी खेली थी। इसके अलावा एक और मामले में एलेक्स कैरी ने बड़ा रिकॉर्ड बनाया है। एक टेस्ट मैच में 10 या इससे ज्यादा कैच लेने के साथ 100+ रन बनाने वाले कैरी महज दूसरे खिलाड़ी हैं। उनसे पहले ये कारनामा एबी डिविलियर्स ने किया ता डिविलियर्स ने 2013 में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैच में ये किया था। ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज पर 2-0 से कब्जा करते हुए आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 के पॉइंट्स टेबल में दूसरा पायदान हासिल किया है। वहीं पहले नंबर पर अभी भी भारत काबिज है। जबकि न्यूजीलैंड तीसरे नंबर पर है।

विनेश फोगाट ने काटा बवाल

महिला पहलवान ने नहीं होने दिए दो वर्गों में मुकाबले शुरू

पेरिस,11 मार्च 2024। ओलंपिक की दौड़ में बने रहने की कवायद में स्टार पहलवान विनेश फोगाट ने महिलाओं के 50 किलो और 53 किलो वर्ग में चयन ट्रायल शुरू नहीं होने दिये और अधिकारियों से लिखित आश्वासन मांगा कि 53 किलो भारवर्ग के आखिरी ट्रायल ओलंपिक से पहले होंगे।

डब्ल्यूएफआई के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप लगाने और लंबे चले प्रदर्शन की अगुवाई करने वाली विनेश 50 किलोवर्ग के ट्रायल के लिये यहां साइ केंद्र पहुंची थी। वह प्रदर्शन से पहले 53 किलोवर्ग में उतरती थी लेकिन उस वर्ग में अंतिम पंघाल को कोटा मिलने के कारण उसने अपना भारवर्ग कम किया। विनेश ने लिखित आश्वासन की मांग करते हुए प्रतिस्पर्धा शुरू नहीं होने दी। उसने 50 किलो और 53 किलो दोनों में भाग लेने की अनुमति मांगी जिससे अजीब स्थिति बन गई। इससे 50 किलोभारवर्ग में उतरे पहलवान शिकायत करने लगे। उन्होंने कहा ,'' हम ढाई घंटे से इंतजार कर रहे हैं। '' आईओए द्वारा गठित तदर्थ समिति पहले ही कह चुकी है कि 53 किलो वर्ग के लिये अंतिम ट्रायल होगा जिसमें इस भारवर्ग के शीर्ष चार पहलवान उतरेंगे। ट्रायल के विजेता को अंतिम से मुकाबला करना होगा और उसमें विजयी रहने वाली पहलवान भारत का प्रतिनिधित्व करेगी।

ट्रायल के दौरान मौजूद एक कोच ने कहा ,'' विनेश सरकार से आश्वासन चाहती है। उसे डर है कि अगर डब्ल्यूएफआई के हाथ में फिर कमान आ गई तो चयन नीति बदल सकती है। पर सरकार इस पर आश्वासन कैसे दे सकती है। सरकार चयन मामलों में दखल नहीं दे सकती।'' उन्होंने कहा ,'' शायद वह अपना भविष्य सुरक्षित करना चाहती है। वह अगर 50 किलो ट्रायल में हार गई तो यह सुनिश्चित करना चाहती है कि 53 किलो में भी दौड़ में बनी रहे।

जामनगर खेल महोत्सव में शामिल हुई दिशा पाटनी

जामनगर,11 मार्च 2024। जामनगर देवभूमि द्वारका एमपी खेल महोत्सव 2024 एक भव्य समारोह के साथ संपन्न हो गया। इसे खेले-तखेले की भावना के साथ शुरू किया गया था। जामनगर-देवभूमि द्वारका सांसद खेल महोत्सव 2024 को लोगों से शानदार प्रतिक्रिया मिली। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खेलो इंडिया और फिट इंडिया संकल्प को मूर्त रूप देता है। समापन समारोह में प्रसिद्ध लोक गायक जिगरदान गढ़वी और आरजे देवांग की मौजूदगी में सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। इसके अलावा इस समारोह में बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी भी मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद थीं।

समारोह के दौरान खेल महोत्सव का फाइनल क्रिकेट मैच भी ओखामंडल द्वारकेश एलेवन और राम एलेवन गाडू टीमों के बीच खेला गया। मैच आखिरी गेंद तक रोमांचक बना रहा और आखिरकार देवभूमि द्वारका जिले के ओखामंडल द्वारकेश एलेवन को रोमांचक जीत मिली। संसद खेल महोत्सव-2024 सांसद पूनमबेन मैडम की पहल है। इसे जामनगर लोकसभा क्षेत्र के लोगों से भारी प्रतिक्रिया मिली। विजेता टीम और उपविजेता को ट्रॉफी से सम्मानित किया गया और विजेता खिलाड़ियों को सांसद पूनमबेन मैडम द्वारा प्रमाण पत्र और ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। इसके अलावा जामनगर के लोगों का उत्साह बढ़ाने और मनोरंजन के लिए शानदार आतिशबाजी और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। सांसद खेल महोत्सव-2024 में विभिन्न आयु वर्ग के 82,000 खिलाड़ियों और रिकॉर्ड तोड़ 382 टीमों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। इस महोत्सव में कबड्डी, एथलेटिक्स, खो-खो और वॉलीबॉल जैसे खेलों के साथ-साथ टग ऑफ वॉर, सैक रेस, लेमन स्पून रेस, म्यूजिक चेयर जैसे पारंपरिक खेल भी शामिल किए गए। इस खेल महोत्सव में ग्राम स्तर, स्कूल स्तर, तालुका स्तर, क्षेत्रीय स्तर और लोकसभा स्तर पर प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

बेंगलुरु में नहीं खेले जाएंगे आईपीएल 2024 मैच?

बेंगलुरु,11 मार्च 2024। इन दिनों बेंगलुरु में पानी की भारी किल्लत देखने को मिल रही है। जिसके कारण हर कोई परेशान है। वहीं आईपीएल 2024 शुरू होने में महज कुछ ही दिन शेष हैं। लेकिन उससे पहले जल संकट की चपेट में बेंगलुरु का चिन्नास्वामी स्टेडियम भी आ गया है। आरसीबी 25 मार्च को बेंगलुरु के आईपीएल 2024 के पहले गेम में पंजाब किंग्स से भिड़ेगी। आईपीएल खेल के लिए पिच तैयार करने में लगने वाले पानी की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। उसके लिए काफी पानी चाहिए होता है। अभी जो बेंगलुरु की हालात है, उससे बेंगलुरु को आईपीएल के लिए खुद को तैयार करना बड़ी चुनौती होगी। वहीं कर्नाटक राज्य क्रिकेट एसोसिएशन ने बेंगलुरु में जल संकट को देखते हुए चर्चा केलिए एक बैठक बुलाई है। न्यूज वेबसाइट इनसाइडस्पोर्ट से बात करते हुए केएससीए के एक सदस्य ने कहा कि इस मुद्दे पर कोई भी फैसला केएससीए की बैठक के बाद लिया जाएगा। सूत्र का कहना है कि बोर्ड बैठक के बाद एक बयान जारी करेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि, इस मुद्दे पर एक बैठक आयोजित की जाएगी। तब तक, उस मामले के संबंध में कोई बयान नहीं दिया जा सकता है। कर्नाटक की राजधानी कम बारिश के कारण जल संकट से जूझ रही है। पिछले कुछ हफ्तों में शहर भर में पानी के टैंकरों की मांग कई गुना बढ़ गई है। शहर में कार धोने, घरों का निर्माण जैसे कई कामों पर पाबंदी लग गई है।

रुद्रांश खंडेलवाल को पैरा विश्व कप में रजत पदक

नई दिल्ली,11 मार्च 2024। भारत के रुद्रांश खंडेलवाल और निहाल सिंह ने सोमवार को यहां पैरा निशानेबाजी विश्व कप के तीसरे दिन मिश्रित 50 मीटर पिस्टल (एसएच1) स्पर्धा में क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीता। रुद्रांश, निहाल और तोक्यो पैरालंपिक के रजत पदक विजेता सिंहराज की तिकड़ी ने मिश्रित 50 मीटर पिस्टल (एसएच1) टीम स्पर्धा का रजत पदक भी जीता। चीन ने स्वर्ण पदक हासिल किया। पिछले साल पेरिस पैरालंपिक का कोटा हासिल करने वाले निशानेबाज रुद्रांश ने फाइनल में 223.2 अंक जुटाए।इटली के डेविड फ्रांसेचेटी ने 230.0 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता। निहाल ने 202.8 अंक के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। इससे पहले क्वालीफिकेशन दौर में रुद्रांश ने 530 और निहाल ने 527 अंक जुटाकर क्रमशः छठे और सातवें स्थान पर रहते हुए आठ निशानेबाजों के फाइनल में जगह बनाई। मिश्रित 50 मीटर पिस्टल (एसएच1) टीम स्पर्धा में रुद्रांश (530), निहाल (527) और सिंहराज(516) ने कुल 1573 अंक के साथ रजत पदक जीता। चीन ने कुल 1611 अंक के साथ स्वर्ण पदक अपनी झोली में डाला। राइफल निशानेबाज मोना अग्रवाल ही प्रतिष्ठित पैरा विश्व कप में अब तक भारत के लिए स्वर्ण पदक जीत पाई हैं।

फिल्म द गोट लाइफ का शानदार ट्रेलर रिलीज

साउथ सुपरस्टार पृथ्वीराज सुकुमारन एक बार फिर पर्द पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं. उनकी मच अवेटेड फिल्म द गोट लाइफ पिछले लंबे समय से चर्चा में बनी हुई थी. वहीं आखिरकार अब इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है.फिल्म का ट्रेलर बेहद दमदार नजर आ रहा है, जहां पृथ्वीराज सुकुमारन एक नहीं बल्कि अलग-अलग किरदारों में दिख रहे हैं. ट्रेलर में देखा जा सकता है कि अपने सर्वाइवल के लिए पृथ्वीराज किस तरह से जद्दोजहद कर रहे हैं.दरअसल, एक्टर एक अप्रवासी मजदूर की भूमिका में नजर आ रहे हैं, जो अपने घर वापस लौटने के लिए बेचैन है. वे सालों से किसी दूसरे देश में रेगिस्तान में फंसा हुए है और वहां से बाहर निकलने की पूरी कोशिश कर रहा है. कष्टों में जूझ रहा यह मजदूर एक बेहतर जीवन के तलाश में जुटा हुआ है, लेकिन उसके सामने कई सारी मुश्किलें आ रही हैं. बता दें कि ये एक सच्ची घटना पर आधारित फिल्म है जिसे साउथ सिनेमा के मशहूर फिल्ममेकर्स ब्लेसी ने डायरेक्ट किया है. ये फिल्म 28 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जो हिंदी, तमिल, तेलुगु और कन्नड़ भाषा में बड़े पर्दे पर दस्तक देगी. बता दें कि इस फिल्म का म्यूजिक ए आर रहमान ने दिया है. खात बात बता दें कि इस सर्वाइवल ड्रामा को बनाने में 10 साल का लंबा वक्त लगा है. इस बात का खुलासा खुद पृथ्वीराज ने किया था. इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक्टर ने बताया था कि इस फिल्म को बनाने में एक दशक का समय लगा है. उन्होंने कहा था कि हम सभी ने कड़ी मेहनत की है. हमारे लिए ये सिर्फ एक मूवी नहीं है, इससे कई अधिक है. इस फिल्म की कहानी ने हमारे दिलों को छू लिया है. ये फिल्म जिंदगी भर हमारे साथ रहेगी. हमें उम्मीद है कि दर्शकों को भी ऐसा ही महसूस होगा.

मेघा शुक्ला ने साड़ी में दी बोल्ड पोज

बॉलीवुड फिल्म एक्ट्रेस मेघा शुक्ला अपनी बोल्डनेस के लिए जानी जाती हैं। अदाकारा मेघा शुक्ला अक्सर अपनी बोल्ड तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। अदाकारा की ये बोल्ड तस्वीरें उनके चाहने वालों को दीवाना बना देती हैं। अब हाल ही में अदाकारा मेघा शुक्ला ने टॉपलेस होकर साड़ी में किलर तस्वीरें खिंचवाई हैं। जिसमें एक्ट्रेस बेहद बोल्ड नजर आईं। अदाकारा की ये तस्वीरें इंस्टाग्राम की दुनिया में आते ही छा गईं। यहां देखें एक्ट्रेस मेघा शुक्ला की किलर फोटोज।अदाकारा मेघा शुक्ला ने साड़ी में अपना बोल्ड अंदाज फैंस को दिखाया है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस बेहद बोल्ड अवतार में पोज क्लिक करवाती दिखीं।अदाकारा मेघा शुक्ला की ये तस्वीरें इंस्टाग्राम पर आते ही छाने लगीं। इन तस्वीरों में अदाकारा मेघा शुक्ला का बोल्ड अवतार फैंस को दीवाना बनाने लगा है।इन तस्वीरों में अदाकारा बोल्ड पोज देती दिख रही हैं। अदाकारा ने अपनी इन तस्वीरों में मुड़-मुड़कर तस्वीरें क्लिक करवाएं।अदाकारा मेघा शुक्ला ने खुले बालों में किलर पोज क्लिक करवाए। इन तस्वीरों पर एक्ट्रेस के चाहने वालों का भी दिल अटक गया।अदाकारा मेघा शुक्ला के इस किलर अंदाज के फैंस भी दीवाने हो गए।

राजा शिवाजी से धमाल मचाने आ रहे रितेश देशमुख

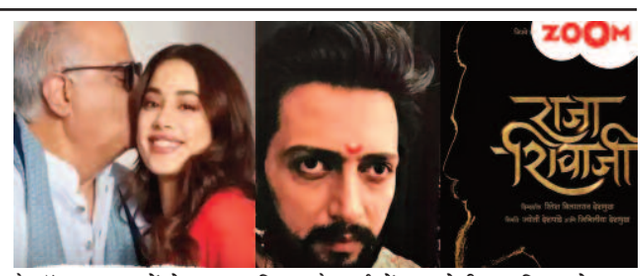

रितेश देशमुख बॉलीवुड के पॉपुलर एक्टर में से एक हैं. अपने अब तक के करियर में रितेश ने कॉमेडी से लेकर रोमांटिक और विलेन हर तरह के किरदार निभआए है. वहीं अब रितेश डायरेक्शन में भी शानदार काम कर रहे हैं. एक्टर के निर्देशन में बनी पहली मराठी फिल्म वेद हिट रही थी. अब वह राजा शिवाजी' का भी निर्देशन करने जा रहे हैं.रितेश देशमुख छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर फिल्म का निर्माण करने जा रहे हैं. एक्टर फिल्म का ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर दिया है. रितेश ने छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक ब्लैक एंड व्हाइट पोस्टर शेयर किया है. रितेश ने कैप्शन में मराठी में लिखा, इतिहास के गर्भ में एक ऐसी शख्सियत ने जन्म लिया, जिसका अस्तित्व नश्वरता है. एक छवि, एक किंवदंती, जो ज्वलंत प्रेरणा की एक शाश्वत भट्टी थी. छत्रपति शिवाजी महाराज.. सिर्फ एक ऐतिहासिक व्यक्ति नहीं हैं. ये साढ़े तीन सौ साल की एक अनुभूति है, असाधारण वीरता की एक चिंगारी है.. हर किसी के दिल में उगता हुआ आशा का एक महान सूरज है.रितेश देशमुख के निर्देशन में बनने वाली फिल्म मराठी और हिंदी में रिलीज की जाएगी. मुंबई में फिल्म कंपनी के साथ साझेदारी में जियो स्टूडियो द्वारा निर्मित होगी. रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता सिनेमैटोग्राफर, संतोष सिवन इस फिल्म के साथ मराठी सिनेमा में अपनी शुरुआत करेंगे.

एक्ट्रेस श्रिया सरन ने सोशल मीडिया पर लोगों के ड्रामे से बचने के लिए दिए मजेदार टिप्स

सोशल मीडिया पर लोगों के ड्रामे से बचने के लिए एक्ट्रेस श्रिया सरन ने कुछ मजेदार टिप्स दिए हैं। श्रिया ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर ड्रामा से बचने के तरीके पर एक मीम शेयर किया है।उन्होंने लिखा, दिन में एक गैलन पानी पीने से आपको अन्य लोगों के नाटक से बचने में मदद मिलती है, इसका कारण यह है कि शख्स बाथरूम का उपयोग करने में व्यस्त रहेगा।मीम में आगे लिखा, हाइड्रेट रहो मेरे दोस्तों श्रिया फिलहाल शोटाइम में दिखाई दे रही हैं। इसमें राजीव खंडेलवाल, इमरान हाशमी, महिमा मकवाना, मौनी रॉय, विशाल वशिष्ठ, नीरज माधव, विजय राज और नसीरुद्दीन शाह भी हैं। यह कैमरे के पीछे छिपी अनदेखी दुनिया की पड़ताल करता है।मिहिर देसाई और अर्चित कुमार द्वारा निर्देशित, यह शो धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित है। यह 8 मार्च से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर प्रसारित हो रहा है।

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

मोदी की एक और गारंटी होने जा रही पूरी

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

कृषक उन्नति योजना

दिनांक 12 मार्च 2024

प्रदेश के 24.72 लाख से अधिक किसानों के खाते में आएंगे

₹13,320 करोड़

खुशहाल किसान ■ समृद्ध छत्तीसगढ़ ■ विकसित भारत

- एमएसपी के बाद अब अंतर की राशि का भुगतान करने जा रही सरकार
- किसानों को प्रति एकड़ 19,257 रुपए के मान से आदान सहायता

संवाद 39984/61

मोदी की गारंटी - विष्णु का सुशासन

सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)